सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" नफरत धीरे-धीरे इंसान की मुस्कान और सुकून दोनों ही छींन लेती है...!! "

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-127 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 27 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

अंत्योदय को धरातल पर उतारने का ऐतिहासिक कार्य किया : सीएम साय

पीएम मोदी के सेवा और सुशासन के 12 वर्ष पूरे, सीएम विष्णुदेव साय ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सेवक के रूप में राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित 12 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने अंत्योदय को धरातल पर उतारने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा

सीएम साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी और जनकेंद्रित नेतृत्व में भारत ने सेवा, सुरक्षा और विकास के नए युग में प्रवेश किया है। बीते 12 वर्षों में शासन की सोच और कार्यशैली बदली है। सेवा, सुशासन और अंत्योदय को केंद्र में रखकर यह सुनिश्चित किया गया कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। गरीब, किसान, महिला, युवा और जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

छत्तीसगढ़ में दिखा असर

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी का नेतृत्व छत्तीसगढ़ के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है। दशकों तक नक्सल हिंसा से प्रभावित बस्तर और वनांचल क्षेत्रों में अब विकास, विश्वास और जनकल्याण की नई धारा दिख रही है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, मोबाइल कनेक्टिविटी और बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच दूरस्थ जनजातीय अंचलों तक हुई है।

योजनाओं से बढ़ा आत्मविश्वास

सीएम साय ने कहा कि पीएम आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला, हर घर जल, जन-धन और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने गरीबों, किसानों, मातृशक्ति और युवाओं के जीवन में आशा और आत्मविश्वास का संचार किया है। ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्ल के मंत्र को नीति का आधार बनाया गया।

विकसित भारत @2047 का संकल्प आगे बढ़ रहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने मजबूत अर्थव्यवस्था, आधुनिक अधोसंरचना, डिजिटल क्रांति और राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विकसित भारत @2047 का संकल्प जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ रहा है। सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार पीएम मोदी के मार्गदर्शन में जनकल्याण और सुशासन के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पीएम मोदी के स्वस्थ, यशस्वी और दीर्घायु जीवन की कामना की।

आरएसएस के पूर्व प्रचारक व छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का निधन, शोक की लहर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रचारक एवं छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का आकस्मिक निधन हो गया है। उनके निधन से प्रदेश में शोक की लहर है। श्री सिन्हा लंबे समय तक संघ प्रचारक के रूप में सक्रिय रहे। वर्तमान में वे छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष पद का दायित्व संभाल रहे थे। उन्होंने योग के प्रचार-प्रसार और जनजागरूकता के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई है।

मुख्यमंत्री साय ने रूपनारायण सिन्हा के निवास पहुँचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार सुबह योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा के कबीर नगर स्थित निवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान गृहमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप भी मौजूद रहे। मंगलवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान रूपनारायण सिन्हा की अचानक तबियत बिगड़ गई। इस बीच उन्होंने सीने में दर्द की शिकायत की, जिसके बाद सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी कार्डियक अरेस्ट से उनकी मौत हो गई। आज कुछ देर बाद उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि रूपनारायण से उनका बहुत पुराना संबंध रहा है। वे लंबे समय से संगठन से जुड़े हुए थे और उनके साथ व्यक्तिगत रिश्ते भी बेहद आत्मीय रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुख की घड़ी में भगवान उनके परिवार को संबल प्रदान करें और दिवंगत रूपनारायण सिन्हा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

पेंड्रा के कोटमी बाजार में ज्वेलरी व्यापारी की गोली मारकर हत्या

लूट कर भागे बदमाश, बाइक सवार तीन अज्ञात युवकों ने दिया वारदात को अंजाम

नई दृष्टिबिंदु / पेंड्रा

कोटमी के साप्ताहिक बाजार में मंगलवार शाम उस समय सनसनी फैल गई जब बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने ज्वेलरी व्यापारी प्रदीप सोनी को गोली मार दी। लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने बीच बाजार फायरिंग की। गंभीर रूप से घायल व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

लूट के दौरान की फायरिंग

जानकारी के अनुसार पेंड्रा निवासी प्रदीप सोनी मंगलवार को कोटमी बाजार में सोना-चांदी का व्यापार करने गए थे। देर शाम पल्सर बाइक से तीन युवक दुकान पहुंचे और लूटपाट का प्रयास करने लगे। व्यापारी ने विरोध किया तो बदमाशों ने गोली चला दी। गोली लगते ही प्रदीप सोनी गिर पड़े। आरोपी लूटपाट कर मौके से फरार हो गए। बाजार में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रास्ते में ही मौत हो गई।

पुलिस जांच में जुटी, क्षेत्र के व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त

सूचना मिलते ही कोटमी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। जिले के सबसे बड़े साप्ताहिक बाजार में दिनदहाड़े हुई वारदात से व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। व्यापारियों ने जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

निर्माणाधीन बिल्डिंग में मिला युवक का शव, नशे से मौत की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र के दक्षिण गंगोत्री स्थित बहुमंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर में मंगलवार दोपहर एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान सुपेला के भीम नगर निवासी 30 से 35 वर्षीय संजय मनहारे के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार संजय मनहारे इसी निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम करता था और नशे का आदी था। मंगलवार दोपहर उसकी मौत की सूचना मिलते ही सुपेला पुलिस मौके पर पहुंची।

मौके पर पहुंचे मृतक के भाई संतोष मनहारे ने संजय के सामान और कागजात को वहीं आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉचर्री भेज दिया है। पुलिस को आशंका है कि नशे के कारण संजय की मौत हुई है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीएसपी से 210 किलो स्क्रैब कॉपर चोरी करने वाला आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दुर्ग। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश कर स्क्रैब कॉपर चोरी करने वाले एक आरोपी को भिलाई भट्ठी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 210 किलोग्राम स्क्रैब कॉपर तथा घटना में प्रयुक्त एक स्वीफ्ट कार जब्त की गई है। जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 26 हजार रुपये बताई गई है। मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट मिल-03 के पीछे स्थित क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा संयंत्र परिसर में अवैध रूप से प्रवेश कर स्क्रैब कॉपर चोरी किए जाने की सूचना सीआईएसएफ द्वारा थाना भिलाई भट्ठी को दी गई थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी नेमचंद यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वाहन क्रमांक CG 07 BF 9243 में स्क्रैब कॉपर लोड कर चोरी कर ले जाने का प्रयास करना स्वीकार किया। आरोपी को सीआईएसएफ ने मौके पर ही पकड़ लिया था।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 210 किलोग्राम स्क्रैब कॉपर और घटना में प्रयुक्त स्वीफ्ट वाहन जब्त किया। आरोपी नेमचंद यादव (32 वर्ष), निवासी स्टेशन मरोदा बीआरपी कॉलोनी वार्ड-16, आजाद स्कूल के पास, नेवई, जिला दुर्ग को 25 मई 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी औद्योगिक परिसर से स्क्रैब कॉपर चोरी कर अवैध आर्थिक लाभ कमाने की नीयत से वारदात को अंजाम दे रहे थे। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी भिलाई भट्ठी निरीक्षक प्रकाश कांत, सहायक उप निरीक्षक भारत सिंह चौधरी तथा प्रधान आरक्षक पुरुषोत्तम साहू की सराहनीय भूमिका रही।

विश्रामपुर थाने के सामने कांग्रेस के दिग्गजों का आमरण अनशन

कांग्रेस नेता पर आर्म्स एक्ट में केस दर्ज करने का विरोध, दोषी थानेदार पर कार्रवाई की मांग

नई दृष्टिबिंदु / सूरजपुर-रायपुर

सूरजपुर जिले के विश्रामपुर थाने के सामने कांग्रेस का धरना सोमवार शाम से जारी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी आंदोलन में शामिल हुए हैं।

नगर पंचायत चुनाव से जुड़ा मामला

कांग्रेस का आरोप है कि शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव को प्रभावित करने के लिए भाजपा सरकार ने कांग्रेस के चुनाव संचालक और जिला कांग्रेस महामंत्री नरेन्द्र जैन के खिलाफ आर्म्स एक्ट का झूठा मुकदमा दर्ज किया है। इसके विरोध में दीपक बैज रविवार से विश्रामपुर थाने के सामने धरने पर बैठे हैं।

एफआईआर रद्द कर थानेदार पर हो कार्रवाई

दीपक बैज ने कहा कि 24 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया। अब वे कार्रवाई होने तक आमरण अनशन पर रहेंगे। उन्होंने मांग की कि नरेन्द्र जैन पर दर्ज एफआईआर रद्द की जाए, आर्म्स एक्ट की धारा हटाई जाए और दोषी थानेदार पर कठोर कार्रवाई हो। बैज ने आरोप लगाया कि चुनाव हारने के डर से भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है।

वरिष्ठ नेता भी हुए शामिल

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी आंदोलन में शामिल होने सूरजपुर पहुंचे और शिवनंदनपुर नगर पंचायत में रोड शो करेंगे। पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव भी अनशन पर बैठेंगे। धरने में पूर्व मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम, अमरजीत भगत, पूर्व विधायक अंबिका सिंह, गुलाब कमरो, पारसनाथ राजवाड़े, जिला अध्यक्ष शशि सिंह, बालकृष्ण पाठक समेत कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद हैं। कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल राज्य चुनाव आयुक्त से मिलकर भी थानेदार को निलंबित करने की मांग कर चुका है।

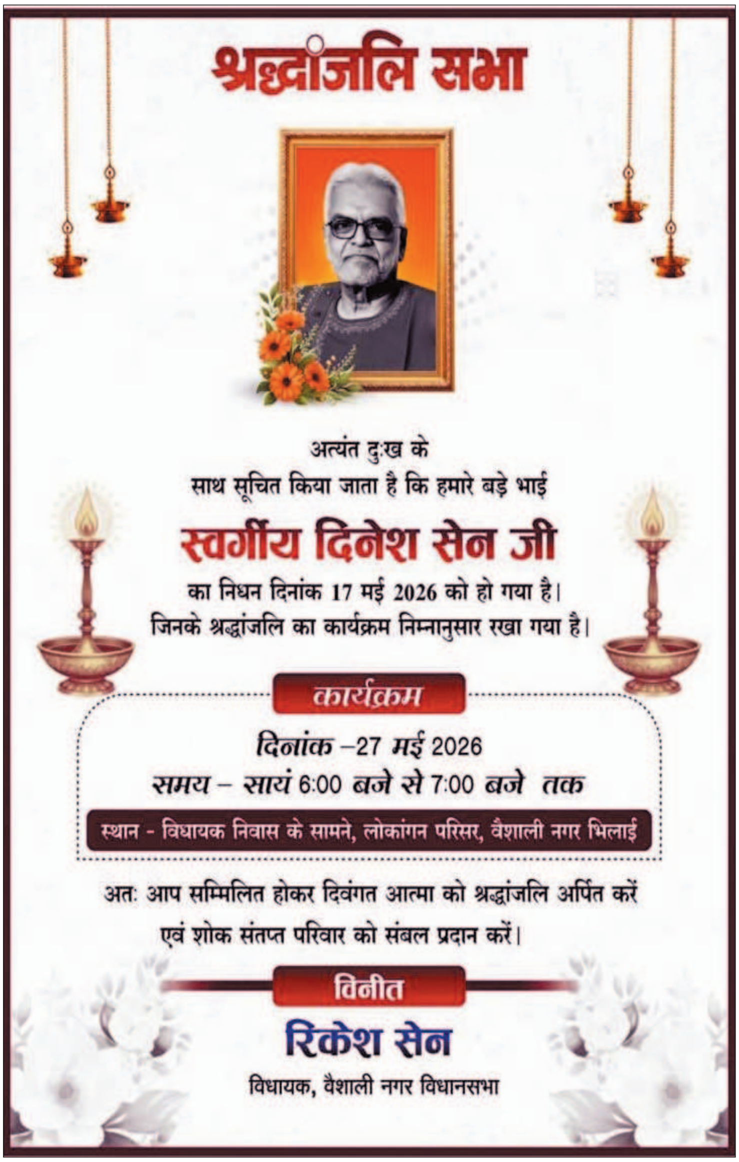

बरसात पूर्व नालों की सफाई अभियान हुई तेज, चैन एक्सीवेटर से हटाई जा रही जलकुंभी

नागरिकों से अपील नालों और नहरों में कचरा, प्लास्टिक व अन्य अपशिष्ट सामग्री न फेंके

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर भर में व्यापक स्तर पर नालों, नहरों एवं जल निकासी मार्गों की सफाई अभियान चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन द्वारा बरसात के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से नागरिकों को राहत दिलाने के उद्देश्य से विशेष कार्य योजना बनाकर सभी जोन क्षेत्रों में सफाई कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है।

निगम द्वारा बड़े नालों एवं नहरों की सफाई के लिए चैन एक्सीवेटर मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे महीनों से जमा गाद, मिट्टी एवं जलकुंभी जैसे खरपतवारों को तेजी से निकाला जा सके। मशीनों की सहायता से गहराई तक सफाई होने से नालों की जल प्रवाह क्षमता में सुधार हो रहा है और बरसात के पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सकेगी। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि कई स्थानों पर नालों में अत्यधिक मात्रा में जलकुंभी एवं कचरा जमा होने के कारण पानी का बहाव प्रभावित हो रहा था। ऐसे स्थानों को चिन्हांकित कर प्राथमिकता के आधार पर सफाई कराई जा रही है। सफाई कार्य पूर्ण होने के बाद बारिश का पानी छोटे नालों से होते हुए बड़े नालों एवं नहरों तक आसानी से पहुंच सकेगा, जिससे शहर में जलभराव की स्थिति निर्मित नहीं होगी।

निगम प्रशासन द्वारा सभी जोन क्षेत्रों में लगातार मॉनिटरिंग करते हुए सफाई कार्य कराया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि नालों में किसी प्रकार की रुकावट न रहे तथा जहां आवश्यकता हो वहां अतिरिक्त मशीनें एवं सफाई कर्मियों की तैनाती की जाए। साथ ही निकाले गए कचरे एवं गाद का तत्काल उठाव भी कराया जा रहा है ताकि दोबारा नालों में अवरोध उत्पन्न न हो। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे नालों एवं नहरों में कचरा, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री न फेंके। नागरिकों के सहयोग से ही शहर को स्वच्छ और जलभराव मुक्त बनाया जा सकता है। निगम प्रशासन का कहना है कि वर्षा पूर्व तैयारियों के तहत यह अभियान लगातार जारी रहेगा और शहर के सभी प्रमुख नालों, नहरों एवं जल निकासी मार्गों की समय-सीमा में सफाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार

मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए वार्डों में दवाई का छिड़काव प्रारंभ

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रतिदिन अलग-अलग जोनों के वार्डों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निगम की स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु लगातार कार्य किया जा रहा है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम क्षेत्र की नालियों, कूलरों, बाथरूमों एवं अन्य जलभराव वाले स्थानों पर पहुंचकर मच्छर उन्मूलन कार्य कर रही है। अभियान के तहत मैलाथियान, टेमिफास एवं जला ऑयल का छिड़काव कराया जा रहा है, ताकि मच्छरों के लार्वा को नष्ट किया जा सके और बीमारियों का फैलाव रोका जा सके। निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने घरों एवं आसपास पानी जमा न होने दें, कूलरों की नियमित सफाई करें तथा स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। निगम कीटीम लगातार वार्डों में निगरानी करते हुए आवश्यक कार्रवाई कर रही है, जिससे शहर में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनी रहे और नागरिक सुरक्षित रह सकें। नगर निगम ने लोगों से भी अपील की है कि वे अपने घरों के आसपास कहीं भी पानी का जमान नहीं होने दें ताकि मच्छर को अपनी संतति बढ़ाने का मौका न मिले। जहां भी पानी जमा हो उसे साफ करें।

खास खबर

साई मंदिर समिति के धनेंद्र चंदेल अध्यक्ष और धीरेंद्र शर्मा बने सचिव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सार्वजनिक श्री साई महोत्सव समिति श्री साई मंदिर सिविल लाइन कसारीडीह दुर्ग के सत्र 2026-30 के चुनाव में अध्यक्ष धनेंद्र कांत चंदेल और सचिव धीरेंद्र शर्मा निर्वाचित घोषित किए गए हैं। रविवार को मतदान के जरिए हुए चुनाव में श्री चंदेल ने श्रीकांत समर्थ को 28 वोटो से पराजित कर अध्यक्ष पद पर कब्जा किया। चुनाव में नवनिर्वाचित अध्यक्ष धनेंद्र कांत चंदेल को 88 वोट मिले, जबकि श्रीकांत समर्थ ने 60 वोट प्राप्त किया। इसी प्रकार सचिव पद पर धीरेंद्र शर्मा ने शानदार जीत दर्ज की।

उन्होंने सुधीर वाघ को 40 मतों से शिकायत दी। नवनिर्वाचित सचिव धीरेंद्र शर्मा ने चुनाव में 95 वोट हासिल किया, वहीं सुधीर वाघ को 55 वोटो से ही संतोष करना पड़ा। इस चुनाव में अध्यक्ष पद के 5 और सचिव पद के 3 वोट निरस्त किए गए। चुनाव में कुल 176 मतदाता सदस्यों में से 153 मतदाताओं ने उत्साह साथ हिस्सा लिया और अपना नया अध्यक्ष और नया सचिव चुनने में निर्णायक भूमिका निभाई। । यह चुनावी प्रक्रिया मुख्य चुनाव अधिकारी रमेश दीक्षित के मार्गदर्शन और सहायक चुनाव अधिकारी संतोष यदु, जयंत खिरोड़कर, नारायण दत्त तिवारी के देखरेख में पूरी की गई। देर शाम परिणामो की घोषणा की गई।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष धनेंद्र कांत चंदेल और सचिव धीरेंद्र शर्मा पैनल के समथर्कों ने जीत पर ढोल बाजा की धुन में नाच गाकर एवं आतिशबाजी कर जमकर अपनी खुशियां मनाई। इस ऐतिहासिक जीत पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री चंदेल और सचिव श्री शर्मा को बधाईयों का ताता लगा हुआ है। जीत पर उन्हें सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष राजीव पांडेय समाजसेवी राकेश शर्मा, दुर्ग प्रेस क्लब अध्यक्ष अरुण मिश्रा, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, धीरज बाकलीवाल, पूर्व सभापति राजेश यादव, कांग्रेस नेता अजय शर्मा, मनोहर सोनी, पवन बढजातिया, अल्ताफ अहमद, पार्षद प्रकाश गीते, दीपक साहू, संजय अग्रवाल, कंचन शुक्ला, संजय डहरवाल, जिला भाजपा कोषाध्यक्ष राकेश सेन, शीतला मंदिर समिति अध्यक्ष रोमनाथ साहू, साई मंदिर समिति के वरिष्ठ सदस्य विपिन बोहरा, रमेश शर्मा, मुरलीधर राऊत, रामेंद्र बंजारी, डॉ. सुधीर हिशिकर, संतोष खिरोड़कर, प्रकाश शिवणकर, गणेश निर्मलकर, अजय सुरपाम, डॉ. एमके साहू, प्रभाकर राव पाटने, ईश्वर अग्रवाल, अतुल मढरिया, नारायण साहू, राजू साहू, अरविंद लोखंडे के अलावा अन्य सदस्यों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बधाई दी गई है।

ईद उल अजहा पर कल होगी नमाज

भिलाई। कुर्बानी के जज्बे के साथ मुस्लिम समुदाय 28 मई को ईद उल अजहा मनाएगा। ईद की नमाज के लिए शहर में ईदगाहों और मस्जिदों में खास इंतजाम किए गए हैं। वहीं मौसम बदलने और बारिश होने पर नमाज के लिए अलग बंदोबस्त रखा गया है। इसके साथ ही तीन दिन तक कुर्बानी का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। जिसमें लोग अपनी हैसियत के मुताबिक बकरों की कुर्बानी देंगे। जामा मस्जिद सेक्टर-6 के ईदगाह मैदान में सुबह ठीक 8 बजे ईदुल अजहा की नमाज अदा की जाएगी। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग ने बताया कि मौसम में बदलाव होने पर तमाम इंतजाम किए गए हैं। बारिश होने पर सुबह 7:30 बजे मस्जिद में पहली जमाअत होगी और उसके बाद जरूरत के मुताबिक आधे-आधे घंटे के अंतराल से जमाअत होगी। शेर-ए-खुदा ईदगाह मैदान, हाउसिंग बोर्ड में सुबह ठीक 8:00 बजे हजरत अल्लामा मौलाना ताज़िम रजा मिस्बाही नमाज अदा करवाएंगे। मौसम खराब होने की सूरत में ईद की नमाज शेर-ए-खुदा मस्जिद, कैलाश नगर में अदा की जाएगी। शेर-ए-खुदा मस्जिद में पहली जमात सुबह ठीक 7:30 बजे और दूसरी जमात सुबह 8:30 बजे होगी। फरीद नगर ईदगाह में सुबह 7:30 बजे जमाअत होगी। मदनी मस्जिद जोन-1 में सुबह 8 बजे, हुसैनी मस्जिद करबला मैदान जीई रोड में सुबह 7:45 बजे जमाअत होगी। अशरफी मस्जिद रूआबांधा भिलाई में पहली जमाअत सुबह 7 बजे इमाम कारी फारूक अशरफी अदा करवाएंगे। वहीं जरूरत पड़ने पर दूसरी जमाअत 7:45 बजे मुफ़्ती मुहम्मद शाहिद अली मिस्बाही प्रिंसिपल मदरसा ताजुल उलूम रुआबांधा भिलाई या क़ारी शमशीर अली अशरफी अदा करवाएंगे।

निगम आयुक्त ने साइकिल से किया जोन-2 वैशाली नगर का निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आम जनमानस को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और वार्डों की जमीनी हकीकत जानने के लिए निगम प्रशासन एक्शन मोड में है। इसी सिलसिले में जोन 2 वैशाली नगर के अंतर्गत निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने विभिन्न वार्डों और मुख्य मार्गो का साइकिल से भ्रमण करते हुए निरीक्षण किया। सुबह-सुबह साइकिल पर निकले आयुक्त को देख जहां नागरिकों में कौतूहल रहा, वहीं प्रशासनिक अमला भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

आयुक्त ने साइकिल से जोन-2 कार्यालय से शारदा विद्यालय रामनगर, गौरव पथ और गुरुनानक मार्केट होते हुए हेमु कल्याणी चौक से गोल मार्केट, राम जानकी मंदिर और वैशाली नगर थाना होते हुए दशहरा मैदान हनुमान मंदिर तक बारीकी से निरीक्षण किए।

तत्पश्चात हनुमान मंदिर सड़क-9 से ?सेंट जेवियर्स स्कूल, शांति नगर होते हुए सद्भावना चौक, जीरो रोड होते हुए भगत सिंह चौक (सांस्कृतिक भवन) तक फिर भगत सिंह चौक से पूर्व विधायक (स्व. भसीन जी) सड़क मार्ग होते हुए वापस जोन-2 वैशाली नगर कार्यालय पर इस निरीक्षण दौरे का समापन हुआ।

भ्रमण के दौरान आयुक्त ने सड़कों की सफाई, नालियों की स्थिति और कचरा संग्रहण व्यवस्था का कड़ा मुआयना किया। असमाजिक लोगों द्वारा कचरा में आग लगाया गया था, जिसे आयुक्त ने तत्काल बुझाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वार्डों में नियमित साफ-सफाई और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रातःकालीन इस सायकल भ्रमण एवं वार्ड निरीक्षण के दौरान आयुक्त के साथ स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, जोन स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह सहित जोनल व वार्डों के स्वास्थ्य सुपरवाइजर गण मुख्य रूप से उपस्थित रहे और दिशा-निर्देशों को नोट किया।

खुले में मांस-मछली बेचने और गंदगी फैलाने वालों से निगम ने वसूला जुर्माना

नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त करने और शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए निगम प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खुले में मांस, मछली का विक्रय करने वाले और दुकानों के आसपास गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त चालानी कार्रवाई करते हुए अर्थदंड (जुर्माना) लगाया गया।

जोन-2 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों में की गई इस कार्रवाई के तहत कुल 2,150 रुपये (इक्कीस सौ पचास रुपये मात्र) का जुर्माना वसूला गया। वार्ड 27 से इन्दू देवी सब्जी दुकान (गंदगी फैलाने पर) 300 रुपए, वार्ड 28 से सानिया गंदगी फैलाने पर 50 रुपए, वार्ड 29 से अभय सिंह गंदगी फैलाने पर 100 रुपए, वार्ड 30 लोकराम से गंदगी फैलाने पर 100 रुपए, वार्ड 31 कविता अहिर गंदगी फैलाने पर 100 रुपए, वार्ड 32 परस राम मटन दुकान (गंदगी फैलाने पर) 500रुपए, वार्ड 33 मो. शरीफ मटन दुकान (गंदगी फैलाने पर) 500 रुपए एवं वार्ड 34 मो. सलमान मटन दुकान (गंदगी फैलाने पर) 500 रुपए का जुर्माना लगाया गया। इस तरह कुल 2150 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। निगम आयुक्त ने सभी व्यापारियों और नागरिकों से अपील की है कि वे अपने दुकानों और घरों के आसपास स्वच्छता बनाए रखें। मटन, चिकन या मछली विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमों के दायरे में रहकर ही व्यापार करें और कचरे का निपटान सही तरीके से करें, अन्यथा आगे भी इस तरह की दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

चुपके-चुपके, धीरे-धीरे जनता की जेब काट रही सरकार :अरुण वोरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

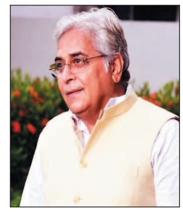

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर दुर्ग शहर से विधायक रहे प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने भाजपा सरकार पर तीखा निशाना साधा है। सोमवार को फिर ईंधन के दाम बढ़ने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार चुपके-चुपके, धीरे-धीरे जनता की जेब काट रही है। पिछले 10-11 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं। इस दौरान दोनों ईंधनों की कीमतों में लगभग 7.5 से 8 रुपये तक की वृद्धि हो चुकी है, जिससे आम जनता की कमर टूट गई है।

आज देश में महंगाई अपने चरम पर है और 140 करोड़ लोगों के लिए घर का खर्च चलाना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब रूस और ईरान जैसे देश भारत को सस्ता और पर्याप्त मात्रा में तेल और गैस देने के लिए तैयार हैं, तो केंद्र सरकार उनसे खरीदारी क्यों नहीं कर रही। आखिर सरकार की ऐसी क्या मजबूरियां हैं कि जनता पर लगातार महंगाई का बोझ डाला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का असर अब हर जरूरी वस्तु पर दिखाई देने लगा है। परिवहन खर्च बढ़ने से खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की चीजें महंगी हो रही हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अमूल और मदर डेयरी के दूध के दाम भी 2 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ गए हैं, जिससे आम परिवारों का मासिक बजट बिगड़ गया है। देश की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि भारत के आम लोगों की कमाई लगातार घटती जा रही है और बचत खत्म होती जा रही है। आज सड़क पर निकलकर देख लीजिए — करोड़ों लोग 18-20 हजार रुपये महीना जैसी बेहद कम आय में परिवार चलाने को मजबूर हैं। ऐसे देश में महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। युद्ध तो अभी आया है, लेकिन जनता की आर्थिक लड़ाई कई सालों से चल रही है।

वोरा ने कहा कि : "2024 से लगातार विदेशी पूंजी बाहर जा रही है। सरकार हर असफलता का ठीकरा युद्ध और वैश्विक परिस्थितियों पर फोड़ रही है, जबकि सच्चाई यह है कि भारत का आर्थिक संकट सिर्फ पिछले दो महीनों का नहीं, बल्कि कई वर्षों की गलत नीतियों, बेरोजगारी, कमजोर आय और आर्थिक कुप्रबंधन का परिणाम है।"

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के बर्न यूनिट में गंभीर रूप से झुलसे बच्चे को मिली नई जिंदगी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र का एडवांस बर्न केयर यूनिट आज छत्तीसगढ़ में गंभीर रूप से झुलसे मरीजों के लिए उम्मीद, संवेदना और विशेषज्ञ उपचार का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, प्रशिक्षित चिकित्सकीय टीम और मानवीय देखभाल के समन्वय से यह यूनिट उन मरीजों को भी नया जीवन देने में सफल हो रही है, जिनकी स्थिति कई बार अत्यंत गंभीर मानी जाती है।

हाल ही में यूनिट ने लगभग 50 प्रतिशत तक झुलसे एक बाल मरीज का सफल उपचार कर अपनी विशेषज्ञता और समर्पण का परिचय दिया। बर्न विभागाध्यक्ष एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय धाबर्डे ने बताया कि अमेरिकन बर्न एसोसिएशन के अनुसार बच्चों में 20 प्रतिशत से अधिक तथा वयस्कों में 40 प्रतिशत से अधिक जलना अत्यंत गंभीर स्थिति मानी जाती है। संबंधित बाल मरीज कई दिनों तक अन्य अस्पतालों में उपचार के बाद सेप्टीसीमिया की अवस्था में जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय लाया गया था। शरीर के साथ-साथ मलद्वार और मूत्रमार्ग के आसपास का हिस्सा भी गंभीर रूप से प्रभावित हो चुका था, जिससे संक्रमण तेजी से फैलने की आशंका बनी हुई थी।

ऐसी जटिल परिस्थिति में बर्न यूनिट की टीम ने केवल उपचार ही नहीं, बल्कि मरीज के संपूर्ण शारीरिक और मानसिक पुनर्वास पर कार्य किया। बार-बार ड्रेसिंग की आवश्यकता और असहनीय पीड़ा के बीच मरीज को हाई प्रोटीन एवं हाई फाइबर डाइट दी गई, वहीं नसों के माध्यम से पैरेंट्रल न्यूट्रिशन उपलब्ध कराया गया ताकि शरीर की रिकवरी प्रक्रिया को गति मिल सके। ड्रेसिंग के दौरान दर्द कम करने के लिए विशेष एनाल्जेसिक इंजेक्शन दिए जाते थे।

बच्चे के मानसिक तनाव को कम करने के लिए यूनिट में विशेष मानवीय वातावरण विकसित किया गया- प्ले हाउस में खिलौने, कार और मनोरंजन की व्यवस्था के साथ टीवी पर कार्टून फिल्में दिखाकर बच्चों का ध्यान दर्द से हटाने का प्रयास किया गया। वहीं चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ राउंड के दौरान बच्चों से आत्मीय संवाद करते थे, वे उसे चॉकलेट देकर प्रोत्साहित करते हैं और उपचार को सहज बनाने का प्रयास करते। इलाज के दौरान एक समय ऐसा भी आया जब बच्चे की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। शरीर सूज चुका था और सांस लेने में भी कठिनाई हो रही थी। संयोग से उसी दौरान बच्चे का जन्मदिन आया।

ऐसे भावुक क्षण में बर्न यूनिट की टीम ने अस्पताल के भीतर ही केक, बैलून और सजावट के साथ उसका जन्मदिन मनाया। सुस्त पड़े बच्चे ने मोमबत्ती बुझाई, केक काटा और कुछ क्षणों के लिए उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई। यह दृश्य न केवल चिकित्सकीय टीम बल्कि बच्चे के माता-पिता के लिए भी भावुक कर देने वाला था। अस्पताल से छुट्टी के समय माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू थे। उनका कहना था कि उन्होंने अपने बच्चे के बचने की उम्मीद लगभग छोड़ दी थी, लेकिन जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय का बर्न यूनिट उनके लिए संजीवनी साबित हुआ।

इस पूरे उपचार के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी का विभाग को निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा, वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर ने कहा कि एडवांस बर्न केयर यूनिट अस्पताल का अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है, जो गंभीर मरीजों के उपचार में पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। इस सफल उपचार में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. अनिरुद्ध मेने, जूनियर ऑफिसर सुनीता साहु, वार्ड इंचार्ज शोभा सिस्टर सहित नर्सिंग स्टाफ, ड्रेसर, सेनेटरी वर्कर और अटेंडेंट्स की सामूहिक भूमिका महत्वपूर्ण रही।

भिलाई में श्रीराम कथा के छठे दिन भरत-मिलन और शबरी प्रसंग में डूबे श्रद्धालु

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रगति नगर, कैंप-1 स्थित श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा का छठा दिन भक्ति और मर्यादा के रंग में रंगा रहा। अयोध्या धाम से पधारे कथा वाचक नरेंद्र राम दास जी महाराज ने भरत प्रसंग और शबरी चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया।

भरत के त्याग और शबरी की भक्ति ने बांधा समां

महाराज जी ने भरत के महान त्याग और भाई-प्रेम का सजीव चित्रण किया। माता शबरी की अनन्य निष्ठा और प्रभु के प्रति निश्छल समर्पण की कथा सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। पूरे पंडाल में सियावर रामचंद्र की जय के जयघोष गूंजते रहे।

संस्कार बोने का प्रयास

आयोजक प्रभुनाथ मिश्रा, छटीलाल मिश्रा, राजेश द्विवेदी और राजकुमार जायसवाल ने कहा कि स्थानीय निवासियों का सहयोग अतुलनीय है। यह केवल आयोजन नहीं, समाज में मर्यादा और संस्कार के बीज बोने का प्रयास है, उन्होंने बताया कि हनुमत प्रसंग और प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक। कथा का मुख्य समापन 28 मई हवन और विशाल भंडारे के साथ पूर्णाहुति के साथ होगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 4 बजे से शाम 7 बजे तक श्रीराम जानकी मंदिर, पानी टंकी के पास, वार्ड नं. 30, प्रगति नगर, कैंप-1, भिलाई में हो रही है।

कथा में वार्ड पार्षद सत्यदेवी जायसवाल, सीमा तिवारी, भागचंद जी, निमर्ला देणे, पुनीता शर्मा, रिना उपाध्याय, रूपा पटेल, सोमा शर्मा, सुषमा गुप्ता, उषा शर्मा, पूनम गुप्ता, सोनी शर्मा, प्रीति गुप्ता, कुसुम शर्मा, नीलम शर्मा, सोनी रावट, बिंदु सोनी, अंजलि जोशी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे के मृतक की बेटियों की पढ़ाई का जिम्मा उठाया अल मदद सोसायटी ने

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अंचल की समाजसेवी मुस्लिम महिलाओं के संगठन अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी ने सड़क हादसे के मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दी और उनके बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा लिया।

सोसाइटी के पदाधिकारी हाल ही में चंद्रा-मौर्या टॉकीज के पास सड़क हादसे में जान गंवाने वाले सेक्टर-2 निवासी सलीम खान के सेक्टर-2, स्ट्रीट-16 क्वार्टर नंबर 64 स्थित निवास पहुंचे। दुख की इस घड़ी में सोसाइटी की ओर से मृतक की पत्नी सलमा खातून को 15,000 की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया गया, जिससे उनके घर में राशन-पानी और दूसरी जरूरतें पूरी हो सकें। सोसाइटी की प्रेसिडेंट अंजुम अली ने बताया कि मरहूम सलीम खान की तीन बेटियां हैं। सोसाइटी की ओर से इन तीनों बेटियों की स्कूली शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी उठाई है। जब तक बच्चियाँ पढ़ाई करेंगी, उनकी शिक्षा का पूरा खर्च सोसाइटी द्वारा वहन किया जाएगा। इस दौरान कोषाध्यक्ष शाहीन खान, दरख्शां अंजुम एवं मिस्बाह हुसैन भी मौजूद थीं।

नाम परिवर्तन

सार्वजनिक सूचना,

सवर्साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं धीरेंद्र कुमार शर्मा, पिता स्वर्गीय नरेंद्र शर्मा, निवासी ब्लॉक ए, मकान नं. 0126, पंकज विक्रम परिसर, राजेंद्र नगर, साई नगर, पाम रेसिडेंसी के पास, रायपुर (छत्तीसगढ़) यह शपथपूर्वक घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना पुराना नाम परिवर्तित कर नया नाम धीरेंद्र कुमार शर्मा रख लिया है।

अतः भविष्य में मेरे समस्त शासकीय, अधर्शासकीय, बैंकिंग, शैक्षणिक एवं अन्य सभी अभिलेखों/दस्तावेजों में मुझे धीरेंद्र कुमार शर्मा नाम से ही जाना एवं पहचाना जाए।

दिनांक : 27, मई 2026
स्थान : रायपुर (छत्तीसगढ़)
हस्ताक्षर :
(धीरेंद्र कुमार शर्मा)

जलवायु परिवर्तन और माइक्रो प्लास्टिक की चुनौती से निपटने के लिए युवाओं को सहयोग करना होगा – राज्यपाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका से लोकभवन में दिल्ली के विभिन्न शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने संवाद किया। ये विद्यार्थी भारत सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के युवा संगम कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ प्रवास पर हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पहल पर यह अनूठा कार्यक्रम पूरे भारत में लागू किया गया है। जिसमें सभी प्रदेशों के युवा अन्य प्रदेशों में जाकर वहां की संस्कृति को समझते हैं, खान-पान का जायका लेते है और पर्यटन स्थलों का भ्रमण करते हैं। इस कड़ी में दिल्ली के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत युवा छात्र-छात्राओं को छत्तीसगढ़ का भ्रमण कराया जा रहा है। भ्रमण के दूसरे दिन ये विद्यार्थी लोकभवन पहुंचे थे।

राज्यपाल ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि डिग्री लेकर निकलने के पश्चात हमें देश व समाज के बारे में सोचना चाहिए। जलवायु परिवर्तन और माइक्रो प्लास्टिक आज की सबसे बड़ी चुनौती हैं इससे निपटने के लिए युवाओं को सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे जीवनशैली को आधुनिक बनाने में साइंस का महत्वपूर्ण योगदान है। इसका उपयोग मानवहित में होना चाहिए। आईआईटी जैसे संस्थान देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारे शिक्षा संस्थानों पर हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत को सहेजने की जिम्मेदारी है। इस तरह के मेल-जोल के कार्यक्रम से व्यक्तित्व का विकास होता है।

श्री डेका ने सभी विद्यार्थियों के छत्तीसगढ़ आगमन पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि आप दिल्ली की हलचल भरी सड़कों से निकलकर छत्तीसगढ़ की हरी-भरी, वन-संपदा से समृद्ध, आदिवासी परंपराओं और लोक संस्कृति से सराबोर भूमि पर पधारे हैं। यह केवल एक भौगोलिक यात्रा नहीं है। यह भारत की आत्मा को समझने की यात्रा है। यह एक भारत के संकल्प को श्रेष्ठ भारत के स्वप्न में रूपांतरित करने की यात्रा है। हमारे देश की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि यहां एक ही धरती पर सैकड़ों भाषाएं बोली जाती हैं। दर्जनों पर्व मनाए जाते हैं, असंख्य परंपराओं के बाद भी हम सब एक हैं। यही विविधता में एकता हमारे गणतंत्र की सच्ची पहचान है।

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री डेका से दिल्ली के विद्यार्थियों का वैचारिक आदान-प्रदान हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र विवेक शुक्ला ने सफल राजनेता में क्या गुण होना चाहिए, इस पर प्रश्न किया। श्री डेका ने कहा कि सफल राजनेता में नेतृत्व क्षमता का होना जरूरी है। कुमारी रितिका ने कौशल पर आधारित प्रश्न किया। श्री डेका ने कहा कि आज हर क्षेत्र में अच्छे कौशल की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी कौशल उन्नयन पर जोर दिया गया है। उन्होंने एक छात्रा के प्रश्न पर कहा कि सफलता के लिए शॉर्टकट नहीं होता तथा धैर्य नहीं खोना चाहिए। प्रत्येक स्तर पर मानसिक शांति के साथ निर्णाय लें। श्री डेका से विद्यार्थियों ने उनकी जीवन यात्रा से संबंधित प्रश्न भी पूछे। युवा विद्यार्थी जो देश की सेवा करना चाहते है उनके लिए श्री डेका ने कहा कि अपनी अंतर आत्मा की आवाज सुनकर कार्य करें।

इस अवसर पर आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर राजीव प्रकाश ने युवा संगम कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर राज्यपाल की विधिक सलाहकार श्रीमती सत्यभामा दुबे, उप सचिव सुश्री निधि साहू, आई.आई.टी. भिलाई के नोडल अधिकारी डॉ. कृष्णामूर्ति, समन्वयक एवं अधिकारियों सहित दिल्ली राज्य से आये हुए युवा विद्यार्थी उपस्थित थे।

खास खबर

भाजपा डी-लिस्टिंग पर राजनीति कर रही, कानून बनाने से क्यों डर रही : दीपक बैज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने डी-लिस्टिंग मामले में भाजपा पर अवसरवादी राजनीति का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार होने के बावजूद कानून बनाने के बजाय भाजपा खुद आंदोलन करवाकर जनता की आंखों में धूल झोंक रही है।

संसद-विधानसभा में कानून बनाने का अधिकार भाजपा के पास : बैज ने कहा कि देश और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार है। संसद और विधानसभा में कानून बनाने का अधिकार सरकार के पास है, फिर डी-लिस्टिंग पर कानून बनाने से भाजपा क्यों डर रही है? उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासी नेताओं को बुलाकर भाषण देकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहती है। डी-लिस्टिंग के मामले में आदिवासी समाज की पीड़ा से भाजपा को कोई लेना-देना नहीं है।

पांचवीं अनुसूची के संसाधनों पर नीयत : कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा को आदिवासियों के हित और अधिकार से कोई सरोकार नहीं है। वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून का सर्वाधिक उल्लंघन भाजपा शासित राज्यों में हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीयत पांचवीं अनुसूची के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों के संसाधनों पर है। इसी षड्यंत्र के तहत आदिवासियों को आपस में बांटकर संख्या कम दिखाना चाहती है। डी-लिस्टिंग का राजनीतिक पाखंड इसी स्क्रिप्ट का हिस्सा है।

केंद्र सरकार स्थिति स्पष्ट करे : बैज ने कहा कि डी-लिस्टिंग का विषय केंद्र का है, लोकसभा-राज्यसभा और संविधान संशोधन से जुड़ा है। केंद्र की मोदी सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। छत्तीसगढ़ से लोकसभा के 11 में से 10 सांसद भाजपा के हैं। उन्हें बताना चाहिए कि डी-लिस्टिंग पर भाजपा का स्पष्ट स्टैंड क्या है। उन्होंने कहा कि भाजपा समाधान नहीं चाहती, केवल समस्या को सुलगाकर राजनीतिक रोटी सेंकना चाहती है। ट्रिपल इंजन सरकार का दावा करने वाले कानून बनाने के बजाय खुद आंदोलन करवा रहे हैं।

कृषि विभाग की कार्रवाई : 6 खाद दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड

रायपुर। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद, बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह निजी खाद दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। औचक निरीक्षण के दौरान इन दुकानों में नियमों का उल्लंघन पाया गया, जिसके बाद विभाग ने यह कार्रवाई की है। कलेक्टर के निर्देश पर निरीक्षकों की टीम ने जिले के सहकारी और निजी विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। जांच में मेसर्स दिलीप ट्रेडर्स हरदी, साहू कृषि केन्द्र मल्दा-अ, मेसर्स धनलक्ष्मी ट्रेडर्स जोरापाली, मेसर्स पुष्पराज केशरवानी भटगांव, मेसर्स आनंद ट्रेडर्स एवं कृषि केन्द्र सरसींवा तथा मेसर्स साहू खाद भंडार पवनी में अनियमितताएं पाई गईं। इसके बाद इन संस्थाओं के अनुज्ञप्ति लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। निरीक्षण दल ने विकासखंड बिलाईगढ़ के सरसींवा, पेंड्रावन, जोरापाली, भटगांव और दुमुहानी सहित कई क्षेत्रों में खाद और कृषि सामग्री विक्रय केंद्रों की जांच की। वहीं विकासखंड सारंगढ़ के कोसीर, मल्दा-अ, अंडोला, जशपुर और हरदी स्थित केंद्रों का भी निरीक्षण किया गया।

राज्य की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन कल से शुरू

रायपुर। संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण, छत्तीसगढ़ द्वारा सत्र 2026-27 एवं 2026-28 के लिए राज्य की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं की रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 29 मई 2026 से 15 जून 2026 (रात्रि 11.59 बजे तक) आधिकारिक वेबसाइट cgiti.admissions.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करने से पूर्व सभी आवेदकों को वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश विवरणिका का भली-भांति अध्ययन करने की सलाह दी गई है। अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही अपने आवेदन पत्र की त्रुटियों तथा संस्था एवं व्यवसाय के प्राथमिकता क्रम में आवश्यक सुधार अवश्य कर लें।

छग सरकार शुरू कर रही आदर्श शहर समृद्धि योजना, कस्बे व छोटे शहर भी होंगे विकसित

पहले चरण में 32 नगरीय निकायों का चयन, सीएम साय बोले- छोटे शहरों और कस्बों को भी मिलेगा आधुनिक विकास का नया मॉडल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के समग्र एवं संतुलित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। बड़े शहरों के साथ-साथ उभरते नगरों और कस्बों को भी आधुनिक शहरी सुविधाओं से सुसज्जित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा आदर्श शहर समृद्धि योजना प्रारंभ की जा रही है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप यह योजना पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में नगर निगमों के लिए प्रारंभ हुई मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना की तर्ज पर नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अधोसंरचना को मजबूत करने, जन सुविधाओं का विस्तार करने तथा विकास कार्यों को गति देने का माध्यम बनेगी। योजना के जरिए छोटे और मध्यम शहरों में भी सुव्यवस्थित शहरी विकास की नई आधारशिला रखी जाएगी।

राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने योजना के प्रथम चरण के लिए प्रदेशभर के 32 नगरीय निकायों का चयन कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। योजना के तहत कार्यों के चयन, स्थल निरीक्षण और प्राथमिकता निर्धारण के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के क्षेत्रीय (संभागीय) कार्यालयों के संयुक्त संचालकों की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय समितियों का गठन भी किया गया है। समितियों को आगामी 15 दिनों के भीतर कार्यों का चिन्हांकन, स्थल निरीक्षण कर प्राथमिकता के क्रम में सूची तैयार करते हुए अनुमानित राशि की जानकारी शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री साय के निर्देशानुसार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और समन्वय के लिए पांचों राजस्व संभागों में कार्यों के चयन एवं मॉनिटरिंग हेतु संचालनालय के यांत्रिकी प्रकोष्ठ के मुख्य अभियंता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, ताकि कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा सके।

व्यवस्थित विकास की एक महत्वपूर्ण पहल

आदर्श शहर समृद्धि योजना राज्य के छोटे और मध्यम शहरों के व्यवस्थित विकास की महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से सड़क, जलापूर्ति, ड्रेनेज, स्मार्ट सुविधाओं, हरित क्षेत्र और नागरिक सेवाओं को मजबूत किया जाएगा। कार्यों के चयन के लिए संभाग स्तरीय समितियों का गठन कर प्रक्रिया को पारदर्शी और परिणाममुखी बनाया गया है तथा सरकार की प्राथमिकता प्रदेश के हर नगर में नागरिकों को बेहतर अधोसंरचना और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

अरुण साव, उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री

प्रथम चरण : इन नगरीय निकायों का चयन

आदर्श शहर समृद्धि योजना के पहले चरण में प्रदेश के 32 नगरीय निकायों को शामिल किया गया है। इनमें बस्तर, सरगुजा और रायपुर संभाग के छह-छह, बिलासपुर संभाग के नौ तथा दुर्ग संभाग के पांच निकाय शामिल हैं। बस्तर संभाग के अंतर्गत सुकमा नगर पालिका के साथ भोपालपटनम, गीदम, केशकाल, पखांजूर और नरहरपुर नगर पंचायत को शामिल किया गया है। दुर्ग संभाग में पंडरिया और खैरागढ़ नगर पालिका के साथ गुरूर, घुमका और छुईखदान नगर पंचायतों का चयन किया गया है। रायपुर संभाग के अंतर्गत कुरूद, महासमुंद, आरंग और बलौदाबाजार नगर पालिका तथा पिथौरा एवं चंदखुरी नगर पंचायत को योजना में शामिल किया गया है। वहीं सरगुजा संभाग में सूरजपुर, पत्थलगांव और मनेंद्रगढ़ नगर पालिका के साथ लखनपुर, कोतबा और कुनकुरी नगर पंचायतों को शामिल किया गया है। बिलासपुर संभाग के अंतर्गत तखतपुर, मुंगेली, लोरमी, जांजगीर-नैला और सक्ती नगर पालिका के साथ बिल्हा, घरघोड़ा, पुसौर और सरिया नगर पंचायत को योजना के प्रथम चरण में शामिल किया गया है।

सड़क, जलापूर्ति, ड्रेनेज से स्मार्ट सुविधाओं तक होगा विकास

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सोच के अनुरूप आदर्श शहर समृद्धि योजना केवल आधारभूत निर्माण तक सीमित नहीं होगी, बल्कि नागरिक जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में समग्र विकास मॉडल के रूप में कार्य करेगी। योजना के अंतर्गत सड़क, ड्रेनेज, जलापूर्ति, परिवहन, पार्क, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक सेवाएं, रोजगार, व्यापार, उद्यमिता प्रोत्साहन, ई-गवर्नेंस, स्मार्ट ट्रैफिक, सुरक्षा प्रणाली, हरित क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, सुझाव, शिकायत निवारण तथा रिपोर्टिंग प्रणाली जैसे कार्य प्रमुखता से किए जाएंगे।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों के समन्वय से होंगे कार्यों का चयन

योजना के तहत शहरों की स्थानीय आवश्यकताओं और जन अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों का चयन किया जाएगा। इसके लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के क्षेत्रीय संयुक्त संचालक की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय समितियां गठित की गई हैं। नगर पालिका अथवा नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को समिति का सदस्य-सह-सचिव बनाया गया है। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर तथा सरगुजा संभाग के लिए गठित पांच सदस्यीय समितियों में दो-दो कार्यपालन अभियंता और एक सहायक अभियंता सदस्य होंगे, जबकि बस्तर संभाग की चार सदस्यीय समिति में एक कार्यपालन अभियंता तथा एक सहायक अभियंता सदस्य के रूप में शामिल किए गए हैं। निकाय अध्यक्षों, पाषर्दों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के समन्वय से शहरों की आवश्यकता के अनुसार प्राथमिकता तय कर कार्यों का चयन किया जाएगा।

संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध

हमारी सुशासन सरकार बड़े शहरों के साथ-साथ उभरते नगरों और कस्बों के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आदर्श शहर समृद्धि योजना के माध्यम से नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अधोसंरचना, जन सुविधाओं और रोजगार के नए अवसरों को सुनियोजित ढंग से विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार छोटे शहरों को भी बड़े शहरों की तरह सवर्सुविधायुक्त और आधुनिक बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा यह योजना प्रदेश के शहरी विकास को नई गति और नई दिशा देने का काम करेगी।

मुख्य सचिव विकासशील ने ई-प्रगति पोर्टल पर जियोटैग फोटो के साथ रिपोर्ट अपलोड करने के दिए निर्देश, परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्य सचिव विकासशील ने मंत्रालय में ई-प्रगति पोर्टल में दर्ज राज्य की अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि सभी परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाई जाए और आ रही बाधाओं को तत्काल दूर कर नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में बेवजह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समीक्षा बैठक में विशेष रूप से पोर्टल पर दर्ज राज्य की 5 अति-महत्वपूर्ण परियोजनाओं की वतर्मान स्थिति पर चर्चा की गई। वर्किंग वुमेन हॉस्टल, उसलापुर (बिलासपुर), वर्किंग वुमेन हॉस्टल, कोनी (बिलासपुर), 4T स्टेशन MXL मोबाइल टॉवर

स्थापना (बिलासपुर), मोबाइल टॉवर हेतु विद्युत अधोसंरचना परियोजना (बिलासपुर) और सिकारसर कोडार रिसीवर लिंक कैनाल (गरियाबंद जिला) है। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि वे प्रत्येक परियोजना की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट ई-पोर्टल पर फोटो जियोटैग के साथ अनिवार्य रूप से अपलोड करें, ताकि कार्यों की वास्तविक स्थिति की पारदर्शी मॉनिटरिंग हो सके। उन्होंने जिलों में मोबाइल टॉवर स्थापना के मार्ग में आ रही भूमि आवंटन या अन्य तकनीकी दिक्कतों को संबंधित कलेक्टरों से समन्वय कर शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने संबंधित जिलों के कलेक्टरों को व्यक्तिगत रूप से रुचि लेकर ई-प्रगति पोर्टल की परियोजनाओं की दैनिक समीक्षा करने और उनमें तेजी लाने को कहा है।

इस समीक्षा बैठक में मंत्रालय से सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जल संसाधन विभाग तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (टब) के माध्यम से राज्य के 21 जिलों के कलेक्टर शामिल हुए, जिनमें बीजापुर, कांकेर, कोरबा, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, नारायणपुर, रायगढ़, सुकमा, बलौदाबाजार-भाटापारा, बलरामपुर, धमतरी, गरियाबंद, जशपुर, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, मुंगेली, सरगुजा, सूरजपुर, दंतेवाड़ा एवं कोण्डागांव शामिल हैं।

कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव कल से

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 29, 30 एवं 31 मई 2026 को कृषि महाविद्यालय परिसर रायपुर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 250 से अधिक किस्मों का प्रदर्शन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में आम की विभिन्न किस्मों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है जिसमें छत्तीसगढ़ एवं देश के विभिन्न राज्यों के आम उत्पादक शामिल होंगे।

इस अवसर पर आम से बने विभिन्न व्यंजनों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित हैं। आम की सजावट प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है, जिसमें विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी, महिलाएं तथा अन्य सामान्यजन भी पंजीयन कर भागीदारी कर सकते है। इस महोत्सव में पंजीयन एवं प्रवेश पूर्णतया निःशुल्क है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में संस्थागत एवं व्यक्तिगत प्रतियोगी भी सहभागी हो सकते हैं। आम महोत्सव के दौरान आम पर केंद्रित मैंगो क्विज मैंगो, फैंसी ड्रेस आदि प्रतियोगिताएं भी अयोजित की जाएगी। इसके अलावा प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया जाएगा।

स्वास्थ्य अधोसंरचना को मिली नई मजबूती- नवापारा स्वास्थ्य केन्द्र में ऑपरेशन थियेटर का लोकार्पण

पर्यटन व संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया अतिरिक्त वार्ड निर्माण कार्य का भूमिपूजन, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं हर नागरिक का अधिकार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़, सुलभ और जनोन्मुख बनाने की दिशा में निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अंबिकापुर स्थित नवापारा शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नवीन ऑपरेशन थियेटर का लोकार्पण एवं अतिरिक्त वार्ड निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) के सहयोग से विकसित इस महत्वपूर्ण परियोजना को क्षेत्र की स्वास्थ्य अधोसंरचना के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और त्वरित चिकित्सा

सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ जनहित की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नवापारा स्वास्थ्य केन्द्र में आधुनिक ऑपरेशन थियेटर और अतिरिक्त वार्ड की स्थापना से विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी। स्थानीय स्तर पर इन सुविधाओं के विस्तार से अब मरीजों को गंभीर परिस्थितियों में बड़े या दूरस्थ अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे उनके समय और आर्थिक संसाधनों की भारी बचत होगी।

महिलाओं, नवजात शिशुओं और गंभीर मरीजों को मिलेगा त्वरित लाभ

नवीन ऑपरेशन थियेटर और अतिरिक्त वार्ड के निर्माण से अस्पताल की क्षमता और चिकित्सकीय स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे मुख्य रूप से महिलाओं, नवजात शिशुओं और गंभीर मरीजों को अब स्थानीय स्तर पर ही आपातकालीन व व्यवस्थित इलाज मिल सकेगा। आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस यह केंद्र आने वाले समय में क्षेत्र के हजारों नागरिकों के लिए जीवनदायी सिद्ध होगा।

डीएमएफ फंड के प्रभावी उपयोग की सराहना

मंत्री श्री अग्रवाल ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की सराहना करते हुए कहा कि कलेक्टर श्री अजीत बसंत के मार्गदर्शन में डीएमएफ फंड का नियोजन बेहद सराहनीय ढंग से किया जा रहा है। शासन स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत कर आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए संकल्पित है।

इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती निरूपा सिंह, नगर पालिक निगम अंबिकापुर के सभापति हरमिन्दर सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत विनय अग्रवाल, आयुक्त, नगर पालिक निगम अंबिकापुर डी.एन. कश्यप, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व विशेषज्ञ सहित स्वास्थ्य केन्द्र के समस्त प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

संपादकीय

सबसे बड़े खतरे के प्रति सचेत है जनजातीय समाज

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समागम में देश भर से आए हजारों जनजातीय प्रतिनिधि जुटे।उ?का यह जुटाव इस बात का संकेत हैं कि जनजातीय समाज सबसे बड़े खतरे धर्मांतरण के प्रति सजग है और वह चाहता है कि समाज को इस खतरे से बचाव के लिए सरकार वह काम करे जो समाज चाहता है।समाज की मांग तो राज्य स्तरों पर होती रही है, पहली बार दिल्ली स्तर पर जनजातीय समाज ने एकजुट होकर मोदी सरकार से मांग की है कि जनजातीय समाज के जो लोग ईसाई या मुसलमान हो जाते हैं यानी धर्मांतरण कर लेते हैं।उनको जनजातीय समाज को मिलने वाला लाभ नहीं मिलना चाहिए।

आदिवासी समाज की पहचान उसकी संस्कृति,परंपरा,देवी देवताओं व जीवन पध्दति से जुड़ी हुई है।मतांतरण के कारण आदिवासी समाज की मूल पहचान व सांस्कृतिक विरासत को खतरा है। ऐसे में जिन लोगों ने आदिवासी परंपरा व मूल संस्कृति को छोड़ दिया है तो उन्हें अनुसूचित जनजाति (एसटी) की सूची से बाहर किया जाना चाहिए। ऐसा न किए जाने के कारण वह जनजाति के नहीं है लेकिन जनजाति को मिलने वाला लाभ भी ले रहे हैं।इससे जनजातीय लोगों की संख्या कम हो रही है और गांवों में आए दिन कई तरह के विवाद हो रहे हैं।दिल्ली के ऐतिहासिल लाल किले में आयोजित जनजातीय संस्कृति समागम का एक मकसद यही बताना था कि जनजातीय समाज क्या चाहता है।समागम में बता दिया गया है कि आदिवासियों के लिए मतांतरण सबसे बड़ा खतरा है और इससे निपटने के लिए जरूरी है कि संविधान में संशोधन कर डिलिस्टिंग का प्रावधान किया जाए।

इस मौके पर अमित शाह ने जनजातीय सांस्कृतिक समागम में संस्कृति,धर्म व देश की रक्षा के लिए जनजातीय सम्‌ज से एकजुट होने का आव्हान किया और आदिवासियों को आगाह किया कि वह आदिवासियों में भेद पैदा करने वाली शक्तियों के प्रति सजग रहें।उन्होंने जनजातीय समाज को सचेत किया कि कुछ लोग यूसीसी को लेकर भ्रम फैला रहे सच्चाई यह है कि गुजरात व उत्तराखंड में आदिवासियों को यूसीसी से बाहर रखा गया है। इसी तरह स्वशासन,जल,जंगल,जमीन और संस्कृति के लिए पूरे देश मे मप्र के पेसा कानून का माडल लागू किया जाएगा।उन्होंने जनजातीय समाज को आगाह किया कि जनजातीय समाज का विकास रोकनेवालों ने समाज के 40 हजार लोगों की हत्या की है। छत्तीसगढ़ के बस्तर में अब सुरक्षा कैंप की जगह 70 वीर गुंडाधुर सेवा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।मोदी सरकार जनजातीय समाज के लिए विकास के लिए बजट में 1.50 लाख करोड़ का प्रावधान किया है जबकि कांग्रेस के समय मात्र 28 हजार करोड़ था।

जनजातीय समाज मतांतरण को लेकर सजग है तथा वह चाहता है कि सरकार इसके लिए ऐसे प्रयास करे कि मतांतरण के कारण के जनजातीय समाज को किसी तरह का नुकसान न हो।उसका उत्साह उस वक्त बढ़ा जब मार्च 26 को सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक ऐतिहासिक फैसले में यह स्पष्ट किया कि यदि कोई अनुसूचित जाति का व्यक्ति धर्म बदलकर ईसाई या इस्लाम को अपनाता है तो उसका एससी,एसटी का दर्जा व उससे जुड़े लाभ समाप्त हो जाते हैं।न्यायालय ने कहा था कि जिन धर्मों में जाति व्यवस्था नहीं है।उसमें जाने के बाद अनुसूचित जाते का सदस्य नहीं माना जा सकता। जनजातीय समाज की एकजुटता का संदेश दिल्ली में देने की जरूरत इसलिए भी थी कि एक वर्ग यह भ्रम फैलाने की कोशिश करता रहा है कि आदिवासी सनातनी नहीं है। आदिवासी हिंदू नहीं है, इस तरह के आयोजन से उसके सनातनी होने के भाव को मजबूत करने का प्रयास किया गया है।उसे यह बताने की,समझाने की कोशिश की जा रही है कि वह विशाल सनातनी समाज का अहम हिस्सा है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस : आ बैल मुझे मार

दिवाकर मुक्तिबोध

चुनावी राजनीति की दृष्टि से कांग्रेस के लिए छत्तीसगढ़ अत्यंत प्रभावशील राज्य रहा है। नवंबर 2000 में मध्यप्रदेश से अलग होने के बाद विधायकों के बहुमत के आधार पर अजीत जोगी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनीं। उन्होंने भाजपा के एक दर्जन विधायकों को तोड़कर इस पार्टी को लगभग निष्प्रभावी दिया था। वैसे भी दशकों तक मध्यप्रदेश का हिस्सा रहने के दौरान छत्तीसगढ़ पूरी तरह से कांग्रेसमय रहा। लेकिन अपने इस गढ़ में खुद कांग्रेसियों ने सेंध लगाई। एक-दूसरे की टांग खींचने की प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता, खेमेबाजी, नेतृत्व को कमतर आंकना। आम जनता से दूर रहना, कार्यकर्ताओं की उपेक्षा, पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता का अभाव तथा राजनीतिक ताकत हासिल कर पैसे बनानेवाले नेताओं ने कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचाया वरना कोई कारण नहीं था कि भाजपा कांग्रेस की जमीन पर अपनी पौध खड़ा कर पाती।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने वालों में दो नेता प्रमुख रहे- अजीत जोगी व विद्याचरण शुक्ल। जोगी ने पहले पार्टी में रहते हुए व बाद में अलग पार्टी बनाकर कांग्रेस की जड़ें खोदीं तथा विद्याचरण शुक्ल 2003 में नये राज्य के पहले विधान सभा चुनाव में कांग्रेस की पराजय का कारण बने। यदि वे तथा तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी अपनी राजनीतिक दुश्मनी को परे रखकर पार्टी हित में समझदारी से काम लेते तो 2003 का चुनाव जीतना भाजपा के लिए नामुमकिन था। इस पराजय से कांग्रेस को सतर्क हो जाना चाहिए था, सबक लेना था लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। गुटों में बंटे हुए कांग्रेसी नेताओं के अपने-अपने किले थे। यह उनकी अपनी दुनिया थी जहां से वे बाहर नहीं निकलते थे। लिहाजा भाजपा के खिलाफ सामूहिक लड़ाइयां नहीं लड़ी गईं। फलस्वरूप कांग्रेस 2008 व 2013 का चुनाव भी हार गई। सत्ता पर भाजपा ने कब्जा जमाया जो लगातार पंद्रह वर्षों तक कायम रहा। 2018 में वह सत्ता से बेदखल हुई। लेकिन संक्षिप्त अंतराल के बाद वह पुनः सरकार में लौट आई और कांग्रेस आज भी पहले की तरह अपने अंतविरीध में उलझी हुई है। फिर भी एक तथ्य इस बात की पुष्टि करता है कि तमाम संगठनात्मक कमजोरियों के बावजूद आम जनता का कांग्रेस पर विश्वास पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है।

इसी विश्वास के आधार पर जनता उसे वोट देती रही है। भले ही वह सरकार बनाने लायक बहुमत हासिल न कर पाती हो किंतु प्रत्येक चुनाव में उसने भाजपा को बराबरी की टक्कर दी है। राज्य गठन के बाद 2003, 2008 व 2013 के चुनावों में 37-39 सीटें जीतने वाली कांग्रेस बहुमत से बहुत दूर नहीं थी। उसे 2003 में 37, 2008 में 38 और 2013 में 39 सीटें मिली थीं। अर्थात यदि वह अपनी कमजोरियों पर काबू पा लेती तो इन चुनावों को जीतना उसके लिए कठिन नहीं था।

इस संदर्भ में यह भी बात ध्यान रखने योग्य है कि उस दौर में नरेंद्र मोदी-अमित शाह राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी नहीं थे और न ही धर्म आधारित राजनीति अपने उफान पर थी। साम्प्रदायिकता के आधार पर वोटों का तीखा ध्रुवीकरण भी नहीं होता था। यानी छत्तीसगढ़ कांग्रेस के लिए बेहद अनुकूल राजनीतिक जमीन थी। लेकिन इसके बावजूद वह आत्ममुग्धता में डूबी रही तथा लगातार हारती रही।

हालांकि 2018 के चुनाव में 90 में से 68 जीतकर उसने एक कीतिर्मान जरूर स्थापित किया लेकिन इसकी एक बड़ी वजह भाजपा सरकार के खिलाफ तेज होती व्यवस्था विरोधी लहर और उसके कुशासन के प्रति जनता का उभरता आक्रोश था। वोटों व सीटों का रिकॉर्ड बनाने वाली कांग्रेस इस जीत को पचा नहीं पाई तथा अपने ही कर्मों के कारण पांच वर्षों में ही बुरी तरह लुढ़क गई। 2023 के विधान सभा चुनाव में उसे केवल 35 सीटें मिलीं जो उसका अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है।

प्रदेश की राजनीति में एक ब्रम्ह वाक्य प्रत्येक चुनाव के बाद जोरशोर से गूंजता है कि कांग्रेस ही कांग्रेस को हराती है। खुद कांग्रेसी भी इसे दोहराते हैं लेकिन आचरण से बाज नहीं आते। यदि पार्टी के नेता आपसी तनातनी को किनारे रखकर एकजुटता की ताकत को समझें, जनता के बीच जाएं, उनके मुद्दे उठाएं, समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाए और उनके सुख-दुख में सहभागी बनें तो कोई कारण नहीं है कि कांग्रेस चुनाव न जीत सके।

प्रदेश में भाजपा की प्रचंड सफलता का एक बड़ा कारण आरएसएस रहा है जिसके माध्यम से उसकी घर-घर तक पहुंच बनी। उसकी जीत के अन्य कारणों में पार्टी के प्रति समर्पण, कड़ा अनुशासन व विभिन्न स्तरों पर चुनाव का सटीक प्रबंधन शामिल है। तुलनात्मक दृष्टि से कांग्रेस इस मामले में काफी पीछे दिखाई देती है। अनुशासन व संगठनात्मक संकल्प किस चिड़िया का नाम है, यह उसे पता नहीं , मालूम भी हो तो समझने-मानने की इच्छा नहीं दिखती।

स्थिति यह है कि संगठन एक तरह से भगवान भरोसे चलता नजर आता है। वरिष्ठ नेताओं के अपने-अपने गुट हैं जिन्हें एक दूसरे की न तो परवाह है और न ही कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान का भाव। क्या गांवों - शहरों के लोग यह कह सकते हैं कि पांच नहीं पच्चीस वर्षों में किसी कांग्रेस कार्यकर्ता या नेता ने एकाध बार भी उनके घरों पर दस्तक दी हो अथवा कभी संवाद स्थापित किया हो ? राज्य के मतदाताओं की संख्या को देखते हुए बहुत कम लोगों को यह अनुभव मिला होगा। यह काम सहज नहीं है लेकिन नामुमकिन भी नहीं। जबकि बरसों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भाजपा के लिए यह काम पूरी निष्ठा से कर रहा है। वह भाजपा की रीढ की हड्डी है। दूसरी ओर कांग्रेस के आनुषंगिक संगठनों का क्या ? सेवा दल इत्यादि ? वे कहां है ? वे तो निष्प्राण पड़े हुए हैं। युवक कांग्रेस जरूर सक्रिय है किन्तु वरिष्ठ और युवा नेतृत्व के बीच तालमेल का अभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है।

2018 में सत्ता में लौटने के बाद कांग्रेस को लंबी पारी खेलने का अवसर मिला था लेकिन उसने अपने ही गोलपोस्ट में गोल करके वह मौका गवां दिया। रमनसिंह की पन्द्रह वर्षों की सत्ता का अंत कांग्रेस के रणनीतिक कौशल, उसकी एकजुटता अथवा जमीनी स्तर पर उसके कामकाज के कारण नहीं हुआ था। मतदाता बदलाव चाहते थे इसलिए उन्होंने भरभराकर कांग्रेस को वोट दिया। 68 सीटें जीतना निश्चित रूप से एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। भूपेश बघेल मुख्य मंत्री बने। शुरूआती दौर में सरकार का प्रदर्शन बेहतर रहा। सरकार की कुछ नयी और जनकल्याणकारी नीतियों की देशभर में सराहना हुई। मुख्य मंत्री बघेल ने भी अपनी जन-छवि को मजबूत किया लेकिन सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में भी पीछे नहीं रही। अफसरों व नेताओं सिंडीकेट ने अपने एजेंटों के जरिए अवैध ढंग से जमकर धन उगाही की। उस समय आम चर्चा थी कि बघेल सरकार कांग्रेस की एटीएम बन गई है जो पार्टी के लिए फंड जुटाती है। ऐसी तमाम सच्ची-झूठी चर्चाओं को कांग्रेस नजरअंदाज करती रही। नतीजा यह हुआ कि 2023 के चुनाव में भ्रष्टाचार के मुद्दों पर भाजपा की आक्रामकता का उसके पास कोई ठोस जवाब नहीं था। बघेल सरकार और संगठन के नेता जीत को लगभग तय मानकर हवा में उड़ते रहे किन्तु मतगणना के दिन वे धड़ाम से जमीन पर आ गिरे।

गिरकर उठने वाले समझदार लोग अपनी गलतियों से सबक लेते हैं और फिर पहले से अधिक मजबूती के साथ खड़े होते हैं। अब सवाल यह है कि क्या प्रदेश कांग्रेस 2028 के चुनाव में वैसा ही करिश्मा दोहरा पाएगी जैसा 2018 में देखने को मिला था ? फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना का मुश्किल है क्योंकि यह पूरी तरह से उसके जमीनी कामकाज पर निर्भर करेगा। वैसे यह अच्छी बात है कि चुनाव की तैयारियों के लिहाज से कांग्रेस संगठन में आवश्यक फेरबदल पर ध्यान दे रही है। संगठन के विभिन्न स्तरों पर नये व युवा पदाधिकारियों की नियुक्ति हो गई है। इससे उम्मीद जरूर बनती है कि पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी। बशर्ते पार्टी वे गलतियां न दोहराए जो सत्ता में रहते हुए की गई थीं।

प्रदेश संगठन के तीन बड़े नेता हैं - भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव व चरणदास महंत। चौथा कोण है प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज का। यदि ये चारों नेता अपने दुराग्रहों को भूलाकर चुनाव जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर एकजुट हो जाते हैं तो जीत की संभावनाएं बन सकती हैं लेकिन प्रदेश कांग्रेस का जैसा मिजाज दिखाई देता रहा है, उससे यह दूर की कौड़ी ही लगता है। अगले माह प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का कार्यकाल पूरा हो जाएगा। उनके स्थान पर नये अध्यक्ष के चुनाव के लिए नेताओं के बीच अभी से घमासान शुरू हो चुका है। जिस पार्टी को भाजपा से लड़ने के लिए अपनी ऊर्जा बचानी चाहिए, वह एक बार फिर भीतर की लड़ाइयों में उलझती दिख रही है। कांग्रेस की सबसे बड़ी विडंबना यही रही कि वह अक्सर विपक्ष से कम, अपने ही नेताओं की महत्वाकांक्षाओं से ज्यादा हारती है।

छत्तीसगढ़ की राजनीति बार-बार यह साबित कर चुकी है कि यहां कांग्रेस को जनता नहीं हराती, बल्कि उसका अंहकार, अव्यवस्था और अंतर्कलह हराते हैं। भाजपा ने जहां संगठन, अनुशासन और दीघर्कालिक रणनीति के बल पर अपनी जड़ें मजबूत की, वहीं कांग्रेस अवसर मिलने पर भी आत्मघाती राजनीति से बाहर नहीं निकल पाई। यदि 2028 में भी नेताओं की प्राथमिकता जनता के मुद्दों से अधिक पद , प्रभुत्व और निजी शक्ति प्रदर्शन ही रही तो कांग्रेस को किसी सकारात्मक परिणाम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

अहंकार : इंसान और भगवान के बीच सबसे बड़ी रुकावट

हम सभी को शांत, सुखी (खुश) और संतुष्ट होना चाहिए। बदकिस्मती से, हम इस सपनों की हालत को पाने में नाकाम रहते हैं। क्या हम छोटे, सच में लाचार और काफी हद तक अनजान नहीं हैं? हम हैं, लेकिन अहंकार (झूठे ईगो) की वजह से हम इस सच्चाई को नहीं मानते। यह अहंकार क्या है? यह हमें यह एहसास दिलाने की काबिलियत दी गई है कि हम हैं और हमारी एक अलग पहचान है। शॉर्ट में, अहंकार का मतलब है कि मैं हूँ; मेरा वजूद है। बदकिस्मती से, हम गलत तरीके से मानते हैं कि हम महान हैं क्योंकि हमारे पास जो भी ऐशो-आराम है, जैसे पैसा, पावर, वगैरह। लेकिन ये अच्छे कर्मफलों (पिछले अच्छे कामों का नतीजा) से कमाई गई कुछ समय की चीजें हैं। वे शांति, सुख, या सैटिस्फैक्शन नहीं देतीं - जिन्हें हम लगातार ढूंढते हैं और खो देते हैं।

अब समय आ गया है कि हम किसी ऐसे इंसान को ढूंढें जो ये सब दे सके और हमें भी अपनाने को तैयार हो। असल में, भगवान हम सबकी मदद करने को तैयार हैं। उनकी बस यही शर्त है कि हम अहंकार छोड़ दें और सच्चे दिल से उनकी शरण में आ जाएं। फिर भगवान ज़िम्मेदारी लेते हैं और सरेंडर की हुई आत्मा की ज़िंदगी को माइक्रोमैनेज करना शुरू करते हैं। इसमें सुधार शामिल हैं, खासकर स्वभाव (नेचर) का, जो इंसान का सबसे बड़ा दुश्मन है। क्या हम बेबस और लालची नहीं हैं? जैसे-जैसे सुधार होते हैं, भगवान उस आत्मा को उस तरह से ताकत देना शुरू करते हैं जो उस इंसान को सूट करे। उदाहरण के लिए, मेरे भगवान ने मुझे स्पिरिचुअल किताबें लिखने की ताकत दी है।

समय के साथ, इंसान बड़े काम करने के काबिल बन जाता है, जैसे महाभारत युद्ध में अर्जुन ने किया था। उससे पहले, भगवान कृष्ण ने अर्जुन को युद्ध के नतीजे के बारे में भरोसा दिलाया था; अर्जुन को बस भगवान का निमित्त (इंस्ट्रूमेंट) बनना था, ऊपर उठना था, और नाम कमाना था। (11.33) यह पहले से तय नतीजा था क्योंकि उस मामले में भगवान कर्ता (करने वाले) थे। हमारे पास हनुमानजी का उदाहरण भी है कि किसी को निमित्त बनकर कैसे काम करना चाहिए। लंका से लौटने पर, अपना मिशन सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, भगवान रामचंद्र ने उनसे पूछा, आपने रावण की सुरक्षा में लंका को जलाने का बड़ा काम कैसे पूरा किया? हनुमानजी ने जवाब दिया, हे रघुनाथजी! यह सब आपकी वजह से हुआ है; मेरी कोई महानता नहीं है। (श्री रामचरितमानस, सुंदरकांड 32) हनुमानजी समझ गए थे कि यह सिर्फ.उनके भगवान की शक्ति की वजह से ही मुमकिन हुआ है। बदकिस्मती से, हम इतने समझदार नहीं हैं; हम भगवान कृष्ण की दी गई चेतावनी के बावजूद क्रेडिट लेने की कोशिश करते हैं: तुम जो भी करो; जो भी खाओ; जो भी चढ़ावा चढ़ाओ; जो भी दान दो; जो भी तपस्या करो, उसे मुझे ही चढ़ाओ।

हम सफलता से फूल जाते हैं, यह भूल जाते हैं कि सब कुछ सिर्फ.भगवान की शक्ति से ही मुमकिन था, जैसा कि हनुमानजी ने महसूस किया था। इससे अहंकार संतुष्ट होता है और हम भगवान से दूर हो जाते हैं। फिर भी हर कोई यह गलती नहीं करता; कुछ विनम्र बने रहते हैं। ऐसी आत्माएं धीरे-धीरे भगवान की सुरक्षा में शांत, सुखी और संतुष्ट हो जाती हैं। धीरे-धीरे, वे जीवन मुक्त (भौतिक शरीर में रहते हुए मुक्त) की स्वप्न अवस्था को प्राप्त कर लेते हैं। कई लोग मुक्ति के योग्य भी हो जाते हैं, जिसे देने में भगवान प्रसन्न होते हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस : दुनिया को सचेत उपभोग की ओर प्रेरित करना

प्रताव राज जाधव

आज जब दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 मना रही है, मानवता एक निर्णायक सभ्यतागत मोड़ पर खड़ी है। वर्तमान में हम अभूतपूर्व तकनीकी और भौतिक प्रगति के युग में जी रहे हैं, फिर भी हम जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, बढ़ते मानसिक तनाव, पर्यावरणीय क्षरण और जीवन जीने के अस्थिर तरीकों जैसी चुनौतियों का सामना भी कर रहे हैं। इनमें से कई संकटों के मूल में एक ही चुनौती नज? आती है- वस्तुओं का अनियंत्रित और बिना सोचे-समझे किया जाने वाला उपभोग।

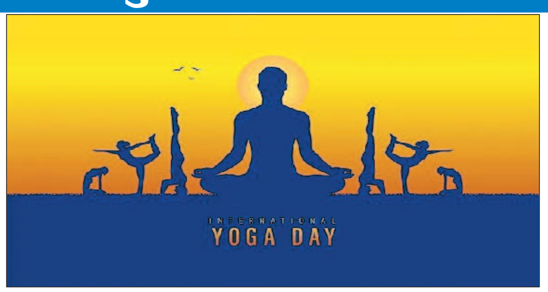

प्राकृतिक संसाधनों के जरुरत से ज्यादा दोहन से लेकर डिजिटल उपयोगिता पर अत्यधिक निर्भरता और अस्थिर जीवनशैली तक, आज आधुनिक समाज संतुलन से लगातार दूर होता जा रहा है। और इसी संदर्भ में, योग न केवल एक प्राचीन स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में, बल्कि एक जिम्मेदार जीवन जीने के लिए एक कालातीत रूपरेखा के रूप में उभर कर सामने आता है। योग मानवता को आत्म-नियमन, संयम और सचेत विकल्पों की ओर एक शक्तिशाली मार्ग प्रदान करता है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने भीतर और अपने आस-पास की दुनिया के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित करें।

सोच समझकर वस्तुओं का उपभोग करने का आह्वान

अत्यधिक उपभोग की वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए, हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने 'मिशन लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट के जरिए एक सशक्त दिशा प्रदान की है। सीओपी26 में, प्रधानमंत्री ने एक ऐसे सिद्धांत को सामने रखा, जो योग के दर्शन से गहराई के साथ जुड़ा है: "आज जरूरत है सचेत और सोच-समझकर उपयोग करने की, न कि बिना सोचे-समझे और विनाशकारी तरीके से उपभोग करने की।""

हाल ही में, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और आपूर्ति-श्रृंखला में आई बाधाओं के बीच, प्रधानमंत्री ने इस अपील का विस्तार करते हुए इसे एक दैनिक नागरिक जिम्मेदारी का रूप दिया। उन्होंने नागरिकों को प्रोत्साहित किया कि वे जान-बूझकर ऐसे उपभोग को सीमित करें, जिनसे बचा जा सकता है, जैसे ईंधन बचाना, अनावश्यक ऊर्जा का उपयोग कम करना, और गैर-जरूरी खर्चों पर दोबारा विचार करना। यह अपील किसी चीज की कमी या अभाव पर आधारित नहीं है, बल्कि, यह सामूहिक सशक्तिकरण, निरंतरता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी के लिए एक रणनीतिक और नैतिक आह्वान है। जैसा कि उन्होंने हमें याद दिलाया: "हर छोटा-बड़ा प्रयास मायने रखता है, ठीक वैसे ही जैसे हर एक बूंद से घड़ा भरता है।"

ये विचार योग के बुनियादी सिद्धांतों से गहराई से जुड़े हुए हैं। योग दर्शन 'अपरिग्रह' - यानी अनावश्यक चीजों को जमा करने से बचना और 'संतोष' यानी अपनी असली जरूरतों से संतुष्ट रहना, की बात करता है। ये सिद्धांत मिलकर एक ऐसी सोच पैदा करते हैं, जो लोगों को अंधाधुंध उपभोग से दूर सचेत जीवन की ओर प्रेरित करती है। योग हमें निष्क्रिय उपभोक्ता से बदलकर इस धरती का जिम्मेदार रखवाला बनाता है।

पारिस्थितिक संतुलन के लिए एक साधन के रूप में योग

पृथ्वी पर इंसानी जरूरतों को पूरा करने के लिए तो काफी संसाधन हैं, लेकिन इंसान की असीमित लालच को पूरा करने के लिए नहीं। योग प्रकृति के साथ हमारे आपसी जुड़ाव की भावना को गहरा करके इस जागरूकता को फिर से जगाने में मदद करता है। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जो भोजन हम करते हैं और जिस स्थिरता की हम तलाश करते हैं, ये सभी एक साझा पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा हैं। योग का अभ्यास धीरे-धीरे हमारे व्यवहार को भीतर से बदल देता है। यह मन की बेचैनी को शांत करता है, जल्दबाजी वाली आदतों को कम करता है और आत्म-अनुशासन को मजबूत बनाता है। आज की दुनिया, जो पल भर के सुख और अत्यधिक उपभोगवाद से संचालित होती है, उसमें योग वह आंतरिक स्पष्टता पैदा करता है, जिसकी जरूरत हमें अपनी असली जरूरतों और कभी न खत्म होने वाली इच्छाओं के बीच फर्क समझने के लिए होती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा आयुष, दोनों मंत्रालयों से जुड़े मंत्री के तौर पर, मैं हर दिन यह देखता हूँ कि योग किस तरह गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) के खिलाफ एक निवारक सार्वजनिक स्वास्थ्य साधन के रूप में काम करता है। शारीरिक गतिविधि, मानसिक संतुलन और अनुशासित जीवन शैली को बढ़ावा देकर, योग अस्वस्थ आदतों और अत्यधिक चिकित्सीय हस्तक्षेपों पर हमारी निर्भरता को कम करता है। एक योगिक जीवन शैली स्वाभाविक रूप से सादगी, संयम, संतुलित पोषण, कम बर्बादी और संसाधनों के सचेत उपयोग को बढ़ावा देती है, ठीक वही व्यवहारिक बदलाव, जो पर्यावरणीय स्थिरता के लिए जरुरी है। इस प्रकार, योग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का एक मार्ग है, बल्कि यह व्यवस्था में जिम्मेदारीपूर्ण जीवन के लिए एक व्यावहारिक ढाँचा भी है।

भारत का वैश्विक योग नेतृत्व

आज, जब योग दुनिया के लिए भारत के सबसे प्रभावशाली योगदानों में से एक बन गया है। यह स्वास्थ्य, सद्भाव और सामूहिक कल्याण की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति भी बन चुका है। जो योग एक प्राचीन सभ्यतागत प्रथा के रूप में शुरू हुआ था, वह आज एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो भूगोल, राजनीति, भाषा और संस्कृति की सीमाओं से परे है। हर साल, कई महाद्वीपों में लाखों लोग योग समारोहों में भाग लेते हैं। वे केवल आसन ही नहीं करते, बल्कि एक स्वस्थ, अधिक संतुलित और टिकाऊ जीवन की साझा आकांक्षा को भी अपनाते हैं। योग निवारक स्वास्थ्य सेवा, मानसिक कल्याण और सचेत जीवन शैली की एक सावभौमिक भाषा के रूप में उभरा है।

योग के जरिए, भारत ने दुनिया को समग्र स्वास्थ्य के लिए एक ऐसा गैर-बाध्यकारी और समावेशी ढाँचा प्रदान किया है, जो आधुनिक चिंताओं का समाधान शाश्वत ज्ञान के साथ करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का यही महत्व है। चूँकि योग दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को छूता है, इसलिए यह बड़े पैमाने पर व्यवहारिक परिवर्तन को प्रेरित करने के लिए एक बेजोड़ मंच भी प्रदान करता है। योग की सामूहिक भावना के जरिए, स्थिरता, संयम और सचेत जीवन-शैली के संदेश अधिक दूर तक पहुँच सकते हैं और लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के लिए एक सामूहिक संकल्प

सच्चा कल्याण अकेले अस्तित्व में नहीं हो सकता। मानव स्वास्थ्य, सामुदायिक कल्याण और संपूर्ण ग्रह का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और पर्यावरण के क्षरण की चुनौतियों के लिए न केवल नीतिगत हस्तक्षेप, बल्कि व्यवहार में परिवर्तन भी जरुरी है।

इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर, आइए हम अपनी प्रतिबद्धता को योग मैट से आगे बढ़ाएं। आइए हम योग को केवल दैनिक अभ्यास के रूप में ही नहीं, बल्कि जीवन शैली के रूप में अपनाएं। एक ऐसी जीवन शैली जो सचेत उपभोग, आंतरिक अनुशासन और पारिस्थितिक जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करती है।

आइए हम प्रधानमंत्री के सचेत जीवन जीने के आह्वान पर काम करें और एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें, जहां तरक्की और विकास को केवल हमारे उपभोग से नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी से जीने के तरीके से मापा जाए। अपने आंतरिक वातावरण को बदलकर, हम सब मिलकर अपने ग्रह के बाहरी वातावरण को ठीक कर सकते हैं।

(लेखक आयुष मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं।)

विजय के उदय की पृष्ठभूमि

टीवीके के संस्थापक विजय खुद को पेरियार की विरासत से जोड़ते हैं और भारतीय संविधान को अपनी आस्था का दस्तावेज मानते हैं। इस रूप कहा जा सकता है कि तमिलनाडु ने सिर्फ चेहरा बदला है, राजनीतिक विचारधारा नहीं। तमिलनाडु में 59 साल बाद ऐसा हुआ है, जब वहां द्रविड़ मुनेत्र कडग़म या अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कडग़म के अलावा कोई पार्टी कोई सत्ता की दावेदार बनी है। 1967 में पहली बार डीएमके सत्ता में आई। 1972 में एमजी रामचंद्रन ने इससे अलग होकर एडीएमके का गठन किया। 1967 से 2021 तक डीएमके ने सात बार और एडीएमके ने पांच बार सरकार बनाई। मगर 2026 में ये सिलसिला टूटने जा रहा है। चंद्रशेखर जोसेफ विजय पहले ही दांव में अपनी पार्टी टीवीके- तमिल वेट्री कडग़म (तमिल विजय संघ)- को सबसे बड़ा दल बनवाने में सफल रहे हैं।

फिल्म अभिनेता के रूप में सफल करियर के बाद राजनीति में आए 51 वर्षीय विजय ने 2024 में टीवीके का गठन किया। वे खुद को ईवी रामास्वामी नायकर पेरियार की विरासत से जोड़ते हैं और भारतीय संविधान को अपनी आस्था का दस्तावेज मानते हैं। इस रूप कहा जा सकता है कि तमिलनाडु ने सिर्फ चेहरा बदला है, राजनीतिक विचारधारा नहीं। जयललिता की मृत्यु के बाद एडीएमके के पास वैसे भी कोई लोकलुभावन चेहरा नहीं बचा है। इसके बावजूद इस चुनाव में पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया है, तो यह संभवतः राज्य में मौजूद एंटी इन्कबेंसी (डीएमके सरकार से असंतोष) का परिणाम है। लंबे समय से परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोपों के दाग डीएमके की छवि पर रहे हैं।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुजरे पांच साल में अपनी राजनीति को हिंदुत्व और हिंदी विरोध पर केंद्रित रखा। मगर जन आंकाक्षाओं के मोर्चे पर वे खरे नहीं उतरे। इससे विजय के उदय की पृष्ठभूमि बनी। बड़ी संख्या में मतदाताओं ने नए चेहरे पर दांव लगाने का मन बनाया। वैसे नीति या कार्यक्रम के मामले में विजय ने भी कुछ नया पेश नहीं किया है। उनका चुनाव घोषणापत्र भी प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण, दुल्हनों को आठ ग्राम सोना जड़ित सिल्क साड़ी देने, 200 यूनिट फ्री बिजली, किसानों की पांच लाख रुपये तक की कर्ज माफी और तमिलनाडु को 2023 तक 1.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने जैसे बड़बोले वादों से भरा-पड़ा है। यानी तमिलनाडु में नए चेहरे की सदारत में भी लोकलुभावन- यानी वोट खरीदी- की पुरानी सियासत जारी रहेगी।

मुहम्मद जाकिर हुसैन की पुस्तक भिलाई जिंदाबाद पर हुई परिचर्चा, बताया गया जीवंत इतिहास

सियान सदन में आयोजन, डॉ. महेशचंद्र शर्मा बोले- आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रमाणिक दस्तावेज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के तत्वावधान में मंगलवार को सियान सदन, वैशाली नगर में वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन की पुस्तक भिलाई जिंदाबादः कुछ किस्से कुछ कहानियां पर सारगर्भित परिचर्चा का आयोजन किया गया।

भिलाई की आत्मा बसती है पुस्तक में

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लब्धप्रतिष्ठित साहित्यकार आचार्य डॉ. महेशचंद्र शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक केवल संस्मरणों का संकलन नहीं, बल्कि भिलाई के औद्योगिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास का जीवंत इतिहास है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए विशिष्ट एवं प्रमाणिक दस्तावेज बन गया है। इसमें भिलाई की आत्मा बसती है।

छोटे गांव से मिनी भारत बनने की कहानी

महासंघ अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने बताया कि लेखक ने भिलाई इस्पात संयंत्र की परिकल्पना, सोवियत संघ के तकनीकी सहयोग, क्रमिक उपलब्धियों, औद्योगिक दुर्घटनाओं, श्रमिक आंदोलनों, राजनीतिक-प्रशासनिक नेतृत्व और सामाजिक परिवतर्नों का तथ्यपरक वर्णन किया है। यह पुस्तक भिलाई के संघर्ष और विकास की वास्तविक कहानी है।

शोधार्थियों के लिए दस्तावेज

वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र सोनबोईर ने कहा कि जाकिर हुसैन की लेखनी में पत्रकार की पारखी नजर और लेखक की संवेदना दोनों हैं। उनकी यह पुस्तक शोधार्थियों के लिए दस्तावेज का काम करेगी। लाइफ एंड पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन ने कहा कि भिलाई ने एजुकेशन हब के रूप में भी ख्याति अर्जित की है। यहां के विकास में संयंत्र कर्मियों के साथ शिक्षक, साहित्यकार और संस्कृतिकर्मियों का भी योगदान रहा।

लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने कहा कि भिलाई जिंदाबाद केवल पुस्तक नहीं, भिलाई की जीवंत स्मृतियों, संघर्षों और उपलब्धियों का दस्तावेज है। उन्होंने पुस्तक की 2 प्रतियां सियान सदन को भेंट कीं।

गीत-संगीत और सम्मान

कार्यक्रम में गायक जोसफ, संतोष शुक्ला और दिनेश गुप्ता ने गीत प्रस्तुत किए। मई माह में जन्मे वरिष्ठ नागरिक रामबाबू गुप्ता, कुमार प्रसाद वर्मा, आर. डी. वर्मा का सम्मान किया गया। अंत में स्व. दिनेश सेन, स्व. उत्तमचंद साहू और स्व. के.के. गुप्ता को श्रद्धांजलि दी गई।

परिचर्चा का संचालन घनश्याम कुमार देवांगन और आभार प्रदर्शन दिनेश कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में राधेश्याम प्रसाद, धानेश्वर कुमार निर्मल, हुकुमचंद देवांगन, शिवप्रसाद साहू सहित बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी और वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे।

महिला क्रिकेट में रायगढ़ का लहराया परचम पक्षालिका व साईत्रिशा का राज्य टीम में हुआ चयन

अंडर-15 में पक्षालिका, अंडर-19 में साईत्रिशा करेंगी छग का प्रतिनिधित्व

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

बीसीसीआई के महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के प्रयासों के बीच रायगढ़ की दो खिलाड़ियों ने बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा घोषित टीम में अंडर-15 महिला क्रिकेट के लिए पक्षालिका टोप्पो और अंडर-19 महिला क्रिकेट के लिए साईत्रिशा प्रधान का चयन किया गया है।

जिला क्रिकेट संघ के सचिव रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि पिछले दिनों हुए अंडर-15 व अंडर-19 महिला मैचों में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पक्षालिका टोप्पो ने बल्लेबाजी में शानदार शतक जड़ा, वहीं साईत्रिशा प्रधान ने ऑलराउंड खेल दिखाया। प्रदर्शन के आधार पर दोनों को सत्र 2026-27 के लिए राज्य टीम के संभावित खिलाड़ियों में शामिल किया गया है।

जिला संघ ने दी बधाई

दोनों के चयन पर जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष संतोष पाण्डेय, सचिव रामचन्द्र शर्मा, किशोर पटनायक, पंकज बोहिदार, संतोष मिश्रा, महेश्वर मिश्रा, जफर उल्लाह सिद्धीकी, वरिष्ठ अम्पायर विशाल सिंघानिया, महेश वर्मा, कोषाध्यक्ष आशीष शर्मा, महेन्द्र साव, राजा गोरख, अभिषेक गुप्ता, शानू भयानी, हिमांशु चावड़ा, महेश दधिची, चंद्रेश यादव, संतोष गुप्ता समेत पदाधिकारियों ने प्रसन्नता जाहिर की और आगामी मैचों के लिए शुभकामनाएं दीं।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक अपनापन का हुआ विमोचन

सीएम विष्णुदेव साय हुए शामिल, पीएम मोदी के साथ अनुभवों पर आधारित है पुस्तक

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक अपनापन का विमोचन सोमवार को नई दिल्ली के पूसा परिसर में हुआ। समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। यह पुस्तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिवराज सिंह चौहान के सार्वजनिक जीवन, आत्मीय संबंधों और कार्य अनुभवों पर आधारित है।

जनसेवा के अनुभव समाज के लिए प्रेरणा : साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शिवराज सिंह चौहान को पुस्तक प्रकाशन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन के अनुभवों को पुस्तक के जरिए समाज तक पहुंचाना प्रेरणादायी पहल है। ऐसे प्रयास जनप्रतिनिधियों के अनुभव, कायर्शैली और जनसेवा के मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में जनसेवा, सुशासन और संवेदनशील नेतृत्व की नई कायर्संस्कृति विकसित हुई है। इस पृष्ठभूमि में सार्वजनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित यह पुस्तक पाठकों को प्रेरित करेगी और नेतृत्व व समाजसेवा के विभिन्न आयामों को समझने का अवसर देगी। पुस्तक में नेतृत्व, जनसेवा और व्यक्तिगत संवेदनाओं को प्रेरक एवं भावनात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया है। विमोचन समारोह में केंद्रीय मंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

ट्यूबवेल से कॉपर वायर चोरी करने वाले और चोरी का माल खरीदने वाले पकड़ाए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

खेतों एवं ग्राम पंचायत क्षेत्रों में लगे ट्यूबवेल से कॉपर वायर चोरी करने वाले गिरोह का पुलगांव पुलिस ने खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों एवं चोरी का माल खरीदने वालों के कब्जे से लगभग 225 मीटर कॉपर वायर और अन्य विद्युत सामग्री बरामद की है। लगातार चोरी की घटनाओं में संलिप्त पाए जाने पर आरोपियों के विरुद्ध संगठित अपराध की धाराओं के तहत भी कारर्वाई की गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम चांगोरी निवासी तुलसीराम देशमुख ने 25 मार्च 2025 को थाना पुलगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके खेत में लगे ट्यूबवेल से लगभग 100 मीटर कॉपर वायर अज्ञात चोर चोरी कर ले गए हैं। मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

विवेचना के दौरान संदेह के आधार पर आरोपी चंदू लोहार, वासु यादव एवं शंकर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार करते हुए चोरी किए गए कॉपर वायर को रायपुर निवासी सहल उद्दीन को बेचना बताया। पुलिस ने सहल उद्दीन के कब्जे से करीब 100 मीटर कॉपर वायर, जिसकी कीमत लगभग 15 हजार रुपये बताई गई है, बरामद कर जब्त किया।

इसी प्रकार 25 मई 2026 को ग्राम अंजोरा के सरपंच संतोष सारथी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि पंचायत तालाब क्षेत्र स्थित ट्यूबवेल से लगभग 90 मीटर कॉपर वायर चोरी हो गया है। जांच के दौरान आरोपियों ने उक्त वायर को रायपुर मौदहापारा निवासी जय नारायण को बेचना स्वीकार किया। पुलिस ने जय नारायण के कब्जे से करीब 90 मीटर कॉपर वायर, जिसकी कीमत लगभग 12 हजार रुपये है, बरामद किया।

बालोद में भाजपा भिलाई जिला का दो दिवसीय दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 हुआ समापन

वरिष्ठ नेताओं ने दिया मार्गदर्शन, संगठनात्मक कार्यशैली व सुशासन पर हुआ विमर्श

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

गंगा मईया की पावन धरा बालोद में भाजपा भिलाई जिला द्वारा दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में शामिल कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त किया।

प्रशिक्षण के दौरान संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति और सेवा भाव को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। संगठनात्मक कायर्शैली, सुशासन, सेवा एवं राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर सार्थक विमर्श हुआ। कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण वर्ग संगठन को मजबूत करने और सेवा भाव को और अधिक प्रभावी बनाने का माध्यम हैं। कार्यक्रम में जिले के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

भीषण गर्मी और अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव पर जताई चिंता, कहा- अब अस्तित्व बचाने का समय

हर खाली सरकारी जमीन पर शहरी वन बनाएं कंक्रीट नहीं: सिंघवी ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में पड़ रही ऐतिहासिक भीषण गर्मी के बीच हर खाली शासकीय भूमि पर शहरी वन विकसित करने की मांग उठी है। पर्यावरण कार्यकर्ता सिंघवी ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर रायपुर, दुर्ग और राजनांदगांव की खाली सरकारी जमीनों पर आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं का विरोध किया है। उन्होंने सवाल उठाया, क्या हम भविष्य में अपने अस्तित्व को लेकर थोड़े भी चिंतित हैं?

आधे हेक्टेयर पर भी बने शहरी वन

पत्र में कहा गया है कि रायपुर के शांति नगर और बीटीआई कॉलोनी सहित कई शहरों की खाली शासकीय भूमि पर निर्माण के प्रस्ताव मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति को भेजे गए हैं। सिंघवी ने मांग की कि बढ़ते अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव को देखते हुए हर उपलब्ध सरकारी जमीन, चाहे वह आधा हेक्टेयर ही क्यों न हो, पर शहरी वन विकसित किए जाएं। उन्होंने पहले भी इस संबंध में पत्र लिखा था।

कंक्रीट बढ़ा रहा शहरों का तापमान

सिंघवी ने बताया कि कंक्रीट, लोहा और डामर की सड़कें दिन में गर्मी सोखती हैं और रात में छोड़ती हैं, जिससे शहरों का तापमान बढ़ता है। इसे ही अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव कहते हैं। रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और बिलासपुर में आम जनता, मजदूर, रिक्शा चालक, गिग वर्कर्स, किसान और झुग्गी बस्तियों के लोग गर्मी से सबसे ज्यादा परेशान हैं।

सर्वाइवल बन सकता है मुख्य जॉब

पत्र में चेतावनी दी गई है कि जलवायु संकट इतना विकराल हो रहा है कि आने वाले वर्षों में गमिर्यों में बच्चों का बाहर खेलना मुश्किल हो सकता है। अगले दशक में गरीबों, किसानों और मजदूरों का मुख्य काम सर्वाइवल यानी जीवित रहना बन सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार 2027 अब तक का सबसे गर्म वर्ष हो सकता है।

तालाबों से हटे कंक्रीट, सड़कों से पेवर

सिंघवी ने मांग की कि शहरों-गांवों के तालाबों के चारों ओर अनावश्यक कंक्रीटीकरण और रिटेनिंग वॉल्स हटाई जाएं, ताकि भूजल रिचार्ज बढ़े। कॉलोनियों में अनावश्यक कंक्रीट और पेवर शोल्डर्स हटाकर हरित सतह विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि यूरोप के कई देश शहरी गर्मी कम करने के लिए अनावश्यक कंक्रीट और डामर हटाने के अभियान चला रहे हैं।

विकास या अस्तित्व, तय करना होगा

पत्र में कहा गया है कि किसी भी विभाग में निर्णय लेने से पहले जलवायु संकट और जैव-विविधता के पतन को ध्यान में रखना जरूरी है। हमें स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या हम जलवायु परिवर्तन के कारण अपने अस्तित्व को लेकर चिंतित हैं? अब तय करना है कि हम क्या चाहते हैं— विकास या अपने नागरिकों का अस्तित्व। यह समय अस्तित्व बचाने की तैयारी का है।

बीएसपी में गैर-कार्यपालक कर्मचारियों के लिए लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन कार्यक्रम का हुआ समापन

5 माह में 88 सत्रों में 5879 कर्मचारियों ने लिया प्रशिक्षण, संयंत्र में पहली बार हुई पहल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा गैर-कार्यपालक कर्मचारियों के लिए विशेष लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन (एलजीआई) कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार की पहल पर 2 जनवरी से 15 मई तक चले इस अभियान में कुल 88 सत्रों के जरिए 5879 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। संयंत्र में इस तरह की पहल पहली बार की गई है।

दुर्घटना रोकथाम पर फोकस : कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना और कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए व्यवहारिक व तकनीकी समझ विकसित करना था। सत्रों में भिलाई इस्पात संयंत्र व अन्य इकाइयों में हुई दुर्घटनाओं के कारणों, उनसे मिली सीख और निवारण उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रशिक्षण में वर्क एट हाइट, परमिट टू वर्क सिस्टम, टूल बॉक्स टॉक, नियर मिस रिपोर्टिंग और रोड सेफ्टी जैसे अहम सुरक्षा पहलुओं की जानकारी दी गई। कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य प्रणाली, जोखिम की पहचान और दुर्घटना रोकथाम की सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान को सफल बनाने में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देवदत्त सतपथी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समन्वय सहायक महाप्रबंधक अजय टक्कू ने किया।

ठेका श्रमिकों के लिए भी होगी पहल

सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग अब ठेका श्रमिकों के लिए भी इसी तरह के लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है, ताकि संयंत्र में समग्र सुरक्षा संस्कृति को और मजबूत किया जा सके।

एचएससीएल में यात्रा वृत्तांत व लघुकथा प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में एचएससीएल भिलाई द्वारा आयोजित यात्रा वृत्तांत और श्रमिक जीवन पर आधारित लघुकथा लेखन प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह रविवार को एचएससीएल के सम्मेलन कक्ष में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएसपी के महाप्रबंधक तथा सचिव, नराकास भिलाई-दुर्ग राजीव कुमार थे। अध्यक्षता एचएससीएल के उप महाप्रबंधक निशीथ कांति दास ने की। तकनीकी सलाहकार वीके शाह, निर्णायक जितेन्द्र दास मानिकपुरी और डाक विभाग के सहायक अधीक्षक नितिन गोस्वामी विशिष्ट अतिथि रहे।

मुख्य अतिथि राजीव कुमार ने कहा कि ऐसे साहित्यिक आयोजन रचनात्मक अभिव्यक्ति का मंच देते हैं। उन्होंने एचएससीएल द्वारा निरंतर प्रतियोगिताएं कराने की सराहना की। यात्रा वृत्तांत प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र की प्रशासनिक सहायक शिखा दीक्षित प्रथम, सहायक महाप्रबंधक (सेल-सीईटी) दयानंद साहू द्वितीय और टेक्नीशियन (एसआरयू) अमितेश पुरोहित तृतीय रहे। सांत्वना पुरस्कार बीएसपी की उप महाप्रबंधक अमृता गंगराडे, कनिष्ठ प्रबंधक अनिल कुमार अग्रवाल, सहायक प्रबंधक धनराज कुमार साहू, इंजीनियरिंग एसोसिएट बिरु बास्के और डाक पैकर सौरभ मिश्रा को मिला। लघुकथा लेखन में बीएसपी के शत्रुंजय तिवारी प्रथम, सहायक महाप्रबंधक विमल कुमार गेडाम द्वितीय और उप महाप्रबंधक अमृता गंगराडे तृतीय रहीं। सांत्वना पुरस्कार अनुभाग अधिकारी ग्लोरी एस. पारकर, उप महाप्रबंधक आनंद, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट अनीशा कुमारी, टेक्नीशियन अमितेश पुरोहित और इंजीनियरिंग एसोसिएट युवराज पैकरा को दिया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन एचएससीएल की राजभाषा अधिकारी वंदना चौधरी ने किया।

शराब को लेकर विवाद में बेटे ने पिता की डंडे से पीटकर हत्या की, गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / तिलदा-नेवरा

तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र में शराब पीने को लेकर हुए विवाद में बेटे ने पिता की डंडे से पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 25 मई की रात करीब 9 बजे वार्ड क्रमांक 04 निवासी बीरेन्द्र कोठारी उर्फ राजू और उसके पिता संतू कोठारी के बीच शराब पीने और घर में अन्य लोगों को बुलाकर शराब पिलाने की बात पर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आक्रोशित बीरेन्द्र ने घर में रखे लकड़ी के डंडे से पिता पर हमला कर दिया। सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने से संतू कोठारी की मौके पर ही मौत हो गई।

साक्ष्य छिपाने की कोशिश : हत्या के बाद आरोपी ने साक्ष्य छिपाने के लिए घटनास्थल की साफ-सफाई की और शव को खाट पर लिटा दिया। सूचना पर तिल्दा नेवरा पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग पंचनामा, शव परीक्षण व घटनास्थल निरीक्षण की कारर्वाई की।

पूछताछ में आरोपी बीरेन्द्र कोठारी उर्फ राजू, 33 वर्ष ने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा जब्त कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। थाना तिल्दा नेवरा में अपराध क्रमांक 227/2026, धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना जारी है।

मैं हमेशा अपने लिए तैयार होती हूं, किसी को इम्प्रेस करने के लिए नहीं

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में फैशन सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि यह कलाकारों की पहचान का अहम हिस्सा बन चुका है। हर इवेंट और फोटोशूट में सितारों का लुक चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसे में कई बार यह सवाल भी उठता है कि कलाकार खुद के लिए तैयार होते हैं या फिर पब्लिक इमेज को ध्यान में रखकर। इसी मुद्दे पर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने खुलकर अपनी राय रखी। बातचीत में कृतिका ने कहा कि उन्होंने हमेशा अपने लिए कपड़े पहने हैं और फैशन उनके लिए आत्मविश्वास और खुशी से जुड़ा हुआ है। कृतिका कामरा ने कहा, 'मुझे बहुत जल्द ही यह समझ आ गई थी कि मुझे सजना-संवरना और फैशन काफी पसंद है। मैं खुद को अच्छा महसूस कराने के लिए तैयार होती हूं। अच्छे कपड़े पहनने और खुद को अच्छे तरीके से प्रेजेंट करने का असर मेरे पूरे दिन पर पड़ता है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है और मैं अपने काम में ज्यादा सकारात्मक महसूस करती हूं।'

कृतिका कामरा ने आगे बताया, ''मैंने नई दिल्ली के एक डिजाइन स्कूल में फैशन कम्युनिकेशन की पढ़ाई की है। इसी वजह से मैं फैशन की दुनिया को एक अलग नजरिए से देखती हूं। मुझे यह जानने में दिलचस्पी रहती है कि किसी कपड़े को बनाने में कितनी मेहनत लगती है, किसी खास टेक्सटाइल को तैयार करने की प्रक्रिया क्या होती है और डिजाइनिंग के पीछे कितना काम छिपा होता है। जब इंसान किसी चीज की मेहनत को समझता है, तो उसके प्रति सम्मान भी बढ़ जाता है।''

अभिनेत्री ने कहा, ''मैं फैशन इंडस्ट्री में चल रहे नए ट्रेंड्स से भी खुद को अपडेट रखती हूं, लेकिन हमेशा से वही पहनती हूं, जिसमें मैं खुद को सहज और आत्मविश्वासी महसूस करती हूं। मैंने कभी किसी को खुश करने या इम्प्रेस करने के लिए कपड़े नहीं पहने। फैशन का असली मतलब वही है, जब इंसान अपने लिए तैयार हो और अपने व्यक्तित्व को खुलकर जी सके।'' तिका कामरा ने महिलाओं के नजरिए से फैशन को लेकर भी दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, ''अगर मुझे किसी की तारीफ सबसे ज्यादा खुशी देती है, तो वह मेरी महिला दोस्तों या दूसरी महिलाओं की होती है। महिलाएं फैशन को बहुत अलग और बारीकी से देखती हैं। वे छोटे-छोटे डिटेल्स पर ध्यान देती हैं, इसलिए उनकी राय ज्यादा खास लगती है। मुझे महिलाओं से मिलने वाला फीडबैक सबसे ज्यादा पसंद आता है।''

खुद को भाग्यशाली मानती हूं

उन्होंने कहा, ''काम की वजह से मुझे कई बेहतरीन डिजाइनर्स और स्टाइलिस्ट्स के साथ काम करने का मौका मिलता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे इतने प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करने का अनुभव मिला। मैं अक्सर डिजाइनर्स और स्टाइलिस्ट्स के काम से प्रेरित होती हूं लेकिन जब मैं अपना लुक तैयार करती हूं, तो उसमें मेरी अपनी पसंद भी शामिल होती है।'' भिनेत्री ने कहा, ''मैं अपनी टीम के साथ मिलकर तय करती हूं कि कौन-सा लुक मुझ पर अच्छा लगेगा और किस तरह मैं खुद को सबसे बेहतर तरीके से पेश कर सकती हूं। मैं फैशन को दिल से एंजॉय करती हूं और शायद यही वजह है कि मेरे फैसले काफी स्वाभाविक होते हैं।''

क्या वेदांग की जिंदगी में प्यार की हुई दस्तक?

वेदांग रैना काफी समय से सिंगल हैं। खुशी कपूर से उनका ब्रेकअप हो चुका है। दोनों ने कभी ना अपने रिश्ते को स्वीकार किया था, ना ही कभी ब्रेक की घोषणा की। लेकिन उनके करीबी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि दोनों का ब्रेक हो चुका है। अब वेदांग रैना को न्योमिका सरन के साथ देखा गया है। वायरल वीडियो में दोनों के बीच अच्छी केमिस्ट्री नजर आ रही थी।

न्योमिका की बात करें तो वह अक्षय कुमार की रिश्तेदार हैं। न्योमिका अक्षय कुमार की साली रिंकी खन्ना की बेटी हैं। पिछले दिनों वह सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहीं, उनके लुक और स्टाइल को काफी पसंद किया गया।

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में वेदांग आएंगे नजर

इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी अहम किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का संगीत एआर रहमान ने दिया है, गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं। फिल्म के हालिया रिलीज ट्रेलर की भी खूब चर्चा है, इसमें वेदांग की एक्टिंग को पसंद किया जा रहा है।

मां ने दी थी करण के साथ लिव-इन में रहने की सलाह

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की लव स्टोरी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। हाल ही में करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश को प्रपोज किया है। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। दोनों ने अंगद बेदी और नेहा धूपिया के यूट्यूब पॉडकास्ट में अपने रिलेशनशिप से जुड़ी दिलचस्प बातें शेयर कीं।

करण कुंद्रा ने बताया कि तेजस्वी की मां शुरुआत में अपनी बेटी को लेकर काफी प्रोटेक्टिव थीं। उन्होंने कहा, 'उनकी मां ने मुझसे कहा था कि उन्हें अपनी बेटी पर बिल्कुल भरोसा नहीं है और मुझे उसके बारे में सोचने के लिए समय लेना चाहिए, क्योंकि वो थोड़ी अलग है। हालांकि, उनके पिता हमारे रिश्ते को लेकर ठीक थे।'

मेरी मां चाहती थीं कि करण कम्फर्टेबल हों वहीं तेजस्वी प्रकाश ने बताया कि उनकी मां चाहती थीं कि शादी से पहले दोनों एक-दूसरे को अच्छे से समझ लें। उन्होंने कहा, 'मेरी मां चाहती थीं कि करण पूरी तरह कम्फर्टेबल हों। शादी का फैसला लेने से पहले उन्होंने ही हमें लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की सलाह दी थी।

उत्तर बनाम दक्षिण बहस से थक चुका हूं

अभिनेता बोमन ईरानी की फिल्म 'पेड्डी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म को लेकर उत्साहित अभिनेता प्रमोशन में व्यस्त भी हैं। इस बीच उन्होंने साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर अपनी राय रखी। अभिनेता का स्पष्ट तौर पर मानना है कि हम सब भारतीय हैं और इंडस्ट्री में भाषा नहीं बल्कि कहानी और काम मायने रखता है। उन्होंने भारतीय सिनेमा जगत में लंबे समय से चली आ रही उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत की बहस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इस बंटवारे से वह पूरी तरह थक चुके हैं और बताया कि आखिरकार हम सब एक हैं- हम सब भारतीय हैं। आईएएनएस से बातचीत के दौरान बोमन ईरानी ने बताया, 'सच कहूं तो, मैं अब इस उत्तर-दक्षिण भारत की बहस से ऊब चुका हूं। आखिरकार, हम सब भारतीय ही तो हैं। देश में हर 200 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई किसी दूसरे को विदेशी समझे।'

बोमन ने कहा, 'दिल्ली का रहने वाला व्यक्ति मुझसे अलग तरह की हिंदी बोलेगा लेकिन सिनेमा वही रहता है। इंसानियत वही रहती है और इस देश से प्यार करने वाले लोग भी वही हैं। आज भारतीय सिनेमा क्षेत्रीय सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका है। अलग-अलग भाषाओं में बनी फिल्में पूरे देश के साथ ही दुनिया में भी सराही जा रही है।

अली अब्बास जफर की आगामी फिल्म में अहान पांडे की एंट्री

अहान पांडे की रोमांटिक ड्रामा हिट फिल्म 'सैयारा' के बाद से ही फैंस उनकी आगामी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अहान जल्द ही पहली बार बड़े पर्दे पर एक अलग तरह के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे।

अहान पांडे ने अपनी पहली ही फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में एक रोमांटिक हीरो के रूप में अपनी खास पहचान बना ली है। आज की युवा पीढ़ी उनकी दीवानी हो चुकी है। इस फिल्म से पहले अहान का एक वेडिंग डांस वीडियो यूट्यूब पर काफी वायरल हुआ था, जिसे 46 मिलियन (4.6 करोड़) से ज्यादा बार देखा गया। इस वीडियो में वह अलाना पांडे की शादी में अनन्या पांडे के साथ 'सात समुंदर पार' और अकेले 'आई एम द बेस्ट' गाने पर नाचते हुए दिखे थे। फैंस को उम्मीद थी कि निर्देशक मोहित सूरी अपनी फिल्म 'सैयारा' में अहान का कोई डांस नंबर रखेंगे, लेकिन फिल्म की कहानी के कारण ऐसा नहीं हो सका। लेकिन अब फैंस की यह ख्वाहिश जल्द ही पूरी हो सकता है।

अहान जल्द ही बड़े पर्दे पर दिखाएंगे डांस का जलवा

अहान के फैंस का इंतजार अब खत्म होने वाला है। इस समय वे निर्देशक अली अब्बास जफर की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री शरवरी भी हैं। इस फिल्म में अहान का पहला ऑन-स्क्रीन डांस नंबर होने जा रहा है। इस गाने की शूटिंग यूके के मैनचेस्टर शहर में होगी। गाने को फिल्माने के लिए 4 दिनों का समय तय किया गया है।

अहान इसमें पुराने दिग्गज सितारों की तरह क्लासिक बॉलीवुड अंदाज में नाचते और गाते हुए नजर आएंगे। अहान शूटिंग के बचे हुए दिनों में अपने डांस स्टेप्स को और बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यश राज फिल्म्स इस गाने के लिए देश के एक बड़े कोरियोग्राफर को चुनने की तैयारी में है। मेकर्स का मकसद एक ऐसा गाना बनाना है, जिसके डांस स्टेप्स हर कोई कॉपी करना चाहे और जो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए।

मेरे अंदर का कॉमिडी वाला जो जानवर है उसे मुझे निकालने की बहुत जरूरत है

आहिस्ता-आहिस्ता ही सही पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जगह बना ही ली। एक समय में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज उन्हें अक्षय कुमार, राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना जैसे इंडस्ट्री के टॉप हीरोज की हीरोइन बनने का मौका मिल रहा है।

एक समय इंडस्ट्री से निराश होकर बोरिया -बिस्तर समेटने का मन बना चुकी वामिका अपने मुकाम को इंजॉय कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी हालिया फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' से। उनसे एक खास बातचीत।

सोशल मीडिया के पागलपन पर रोक लगाना जरूरी

सोशल मीडिया के दौर में वामिका गब्बी को कभी तारीफ मिलती है, तो कई बार वे ट्रोल भी जाती हैं। हाल ही में वे उस वक्त ट्रोल हो गई थीं, जब वे साथी कलाकार राजपाल यादव को तवज्जो नहीं दे पाई थी। सोशल मीडिया की ट्रोलिंग को लेकर वामिका दो टूक कहती हैं, 'मैं समझती हूं कि सोशल मीडिया पर निश्चित रूप से रेगुलेशन होनी चाहिए, क्योंकि यहां पर कोई भी मुंह उठाकर आता है और कुछ भी बोलकर चला जाता है। सोशल मीडिया पर कुछ भी बोलने की कोई अकाउंटेबिलिटी नहीं होती। एक तो सिर्फ एक्टर्स के वेरिफाइड अकाउंट होते हैं। मुझे लगता है हर किसी का वेरिफाइड अकाउंट होना चाहिए। सोशल मीडिया के इस पागलपन पर रोक लगनी जरूरी है। वरना लोग तो पहले से ही पागल हो रहे हैं।'

वामिका से जब पूछा जाता है कि उन्हें किस तरह के हज्बैंड की ख्वाहिश है? तो वे तपाक से हंसते हुए कहती हैं, 'ये आप कैसा सवाल पूछ रही हैं? इसका जवाब तो बहुत मुश्किल है। (सोचते हुए) मेरा होने वाला पति जानवरों से प्यार करने वाला हो। वो फ्रीडम में विश्वास रखे। उसमें बदलाव को स्वीकार करने का गुण हो। कई लोग खुद को बदलने में यकीन नहीं करते, तब बहुत मुश्किल आती है। देखिए, कंपैटिबिलिटी जरूरी है, मगर मेरे होने वाले जीवनसाथी में ये बातें बहुत जरूरी हैं। और भी पॉइंटस हैं, जिन्हें मैं जल्द ही फिगर आउट करूंगी।

तब हंस-हंस कर पागल हो गई थी

अब तक कई गंभीर भूमिकाएं कर चुकी वामिका कॉमिडी के बारे में कहती हैं, 'कॉमिडी करना आसान नहीं था, मगर इसे करते हुए मुझे बहुत मजा आया। मुझे लगा कि मुझे यही करना था। मैं तो इस जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान भी मैं मुदस्सर सर (निर्देशक मुदस्सर अज़ीज़) के पास कई कॉमिक आइडियाज लेकर जाया करती थी। मेरे अंदर का कॉमिडी वाला जो जानवर है, उसे मुझे निकालने की बहुत जरूरत है। कॉमिक रोल को करते हुए लगा कि मैं इसमें बहुत कुछ कर सकती हूं। मैंने कॉमिडी को हद से ज्यादा इंजॉय किया। मैं मानती हूं कि एक्टिंग के क्राफ्ट में कॉमिडी सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती है, मगर एक बार आप जब इस दुनिया में प्रवेश करते हैं और उस हंसी के माहौल और किरदार की नस पकड़ लेते हैं, तो फिर आप उसके साथ आपको बहुत कुछ खेलने को मिलता है। शूटिंग की रिहर्सल के दौरान भी मुदस्सर सर के साथ हंस-हंस कर पागल हो जाया करते थे। मुझे खुद नहीं समझ आ रहा था कि मेरे दिमाग में हंसाने के इतने आइडियाज कैसे आ रहे हैं? मैंने काफी इम्प्रोवाइज किया। उससे पहले नरेशन में भी हंसी के मारे मेरे पेट में दर्द हो गया था। उम्मीद करती हूं कि मुझे और ज्यादा कॉमिक रोल मिलें।'

ग्राम घुपसाल बना मिसाल- कम पानी वाली फसलों से बढ़ा भू-जल स्तर, संकट से मिली मुक्ति

किसानों की सामूहिक पहल रंग लाई, धान के बदले मक्का, दलहन और तिलहन फसलों को अपनाकर सुधारी गांव की सेहत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड स्थित ग्राम घुपसाल ने जल संरक्षण और टिकाऊ खेती (सस्टेनेबल फार्मिंग) की दिशा में पूरे प्रदेश के सामने एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। पारंपरिक और अधिक पानी की खपत वाली धान की फसल के चक्रव्यूह से बाहर निकलते हुए यहाँ के किसानों ने रबी सीजन में एक सामूहिक व ऐतिहासिक निर्णय लिया। किसानों ने धान के स्थान पर कम पानी में तैयार होने वाली मक्का, दलहन और तिलहन की फसलों को अपनाया, जिसके अत्यंत सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। इस अभिनव पहल से न केवल ग्राम का भू-जल स्तर सुधरा है, बल्कि पेयजल और निस्तारी की पुरानी समस्या का भी स्थायी समाधान हो गया है।

वर्तमान समय में पर्यावरण और जल संकट को देखते हुए कम पानी में अधिक और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन देने वाली फसलों को अपनाना समय की मांग है। इससे न केवल खेती की लागत (इनपुट कॉस्ट) कम होती है, बल्कि वैकल्पिक फसलों के बेहतर बाजार मूल्य से किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है। ग्राम घुपसाल का यह क्रॉप डायवर्सिफिकेशन (फसल विविधीकरण) मॉडल पूरे छत्तीसगढ़ के लिए एक अनुकरणीय मिसाल है।

कलेक्टर जितेंद्र यादव ने खेतों में पहुंचकर जाना किसानों का अनुभव

ग्राम घुपसाल के इस सफल नवाचार की गूंज प्रशासनिक हलकों तक भी पहुँची। जिला कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने स्वयं ग्राम घुपसाल का दौरा कर किसानों के इस अनूठे प्रयास का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने खेतों में जाकर फसलों की स्थिति देखी और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर खेती की नई पद्धतियों तथा उनके अनुभवों की जानकारी ली।

ग्रामीणों ने अपने पुराने कड़वे अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि पूर्व में गर्मी का मौसम आते ही गांव में हाहाकार मच जाता था। मार्च का महीना बीतते-बीतते गांव के तालाब, हैंडपंप और बरसाती नाले पूरी तरह सूख जाते थे, जिससे पेयजल और मवेशियों के निस्तारी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती थी। इस वर्ष गांव के किसानों ने एकजुट होकर 350 एकड़ से अधिक रकबे में धान की खेती पूरी तरह बंद कर दी और उसकी जगह कम पानी वाली फसलें लीं। इसका सीधा असर यह हुआ कि जमीन के भीतर का पानी सुरक्षित रहा और भू-जल स्तर ऊपर आ गया। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक बताया कि जिन तालाबों में फागुन (मार्च) के बाद धूल उड़ती थी, वहाँ इस वर्ष अप्रैल के अंत में भी पर्याप्त पानी भरा हुआ है।

ग्राम घुपसाल की यह सफलता कहानी साबित करती है कि अगर नीतिगत समझ और जनभागीदारी का सही समन्वय हो, तो प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण बिना सरकारी दबाव के भी किया जा सकता है। यह गांव आज शबदलते छत्तीसगढ़श की जागरूक किसानी का एक जीवंत चेहरा बनकर उभरा है।

खास खबर

जलदूत ऐप से कुओं के जलस्तर का होगा प्री-मानसून सर्वे

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर की वास्तविक स्थिति का आंकलन करने एवं जल संरक्षण गतिविधियों की प्रभावशीलता का अध्ययन करने के उद्देश्य से जिले में 25 मई से 15 जून 2026 तक विशेष प्री-मानसून भूजल सर्वे अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के सभी गांवों में उपलब्ध कुओं का सर्वे जलदूत ऐप के माध्यम से किया जाएगा तथा जलस्तर संबंधी जानकारी ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। यह अभियान ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं मनरेगा अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। सर्वे कार्य में मनरेगा अंतर्गत कार्यरत तकनीकी सहायक एवं रोजगार सहायकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्हें गांवों में उपलब्ध कुओं का निरीक्षण कर जलस्तर की माप लेकर उसकी जानकारी मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन अपलोड करनी होगी।

प्रत्येक गांव में 2 से 3 कुओं का किया जाएगा सर्वे

निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक गांव में उपलब्ध कुओं में से कम से कम 2 से 3 कुओं का चयन कर उनका प्री-मानसून सर्वे किया जाएगा। चयनित कुओं में उपलब्ध जल की वतर्मान स्थिति, जल की गहराई एवं जलस्तर से संबंधित आंकड़ों को जलदूत ऐप में दर्ज किया जाएगा।

भूजल संरक्षण एवं जल प्रबंधन में मिलेगी मदद

इस सर्वे अभियान के माध्यम से जिले में भूजल स्तर का वैज्ञानिक आंकलन संभव हो सकेगा। वर्षा पूर्व एकत्रित आंकड़ों की तुलना मानसून उपरांत प्राप्त आंकड़ों से कर जल संरक्षण कार्यो, भूजल पुनर्भरण तथा जल उपलब्धता की वास्तविक स्थिति का विश्लेषण किया जा सकेगा। इससे भविष्य में जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन से संबंधित योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से तैयार करने में सहायता मिलेगी।

ऑनलाइन रिकॉर्ड से तैयार होगा सटीक डाटा बेस

जलदूत ऐप के माध्यम से प्राप्त जानकारी का ऑनलाइन रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा, जिससे प्रत्येक गांव में भूजल स्तर की अद्यतन जानकारी उपलब्ध रहेगी। यह डाटा ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति का पूर्व आंकलन करने तथा जल संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने में उपयोगी सिद्ध होगा।

धान उठाव और अंतिम निराकरण में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई - कलेक्टर वर्मा

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने खरीफ विपणन वर्ष 2026 के तहत जिले में धान के उठाव एवं अंतिम निराकरण कार्यो की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और उपार्जन केंद्र प्रभारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि धान उठाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री वर्मा ने प्रबंधकों एवं उपार्जन केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया कि भौतिक रूप से उपलब्ध धान का तीन दिनों के भीतर अंतिम निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उपार्जन केंद्रवार समीक्षा करते हुए कहा कि उपलब्ध धान का जीरो शॉर्टेज के साथ उठाव कर लेखा मिलान कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन केंद्रों में धान की मात्रा अधिक है, वहां मिलर्स के साथ समन्वय स्थापित कर 29 मई के पहले संपूर्ण धान का उठाव किया जाए। साथ ही सभी उपार्जन केंद्रों में पर्याप्त संख्या में हमाल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए ताकि उठाव कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने यह भी कहा कि जिन केंद्रों में धान की शॉर्टेज अधिक पाई जाए, वहां तत्काल जांच कर संबंधित अधिकारियों एवं कमर्चारियों की जिम्मेदारी तय की जाए तथा नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने धान उठाव कार्य में लापरवाही बरतने पर कामठी उपार्जन केंद्र के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश भी जारी किए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में खाद्य अधिकारी चंद्रशेखर देवांगन, उपायुक्त सहकारिता जी एस शर्मा, सहायक खाद्य अधिकारी मदन मोहन साहू सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में शीघ्र शुरू होगी सीएम हेल्पलाइन 1076

आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के लिए राज्य सरकार की बड़ी पहल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रदेश में सुशासन को और अधिक प्रभावी एवं जन केंद्रित बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली शीघ्र प्रारंभ की जा रही है। सुशासन एवं अभिसरण विभाग के अंतर्गत संचालित यह प्रणाली नागरिकों को शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं तक सरल पहुंच उपलब्ध कराने तथा उनकी शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ प्रशिक्षण

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सलाहकार श्री अनुराग दीवान सहित जिला पंचायत सीईओ, डीएफओ, अपर कलेक्टर, एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। विकासखंड स्तर के अधिकारी एवं विभाग प्रमुख वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण से जुड़े। बैठक में अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली की कार्यप्रणाली, ऑनलाइन शिकायत पंजीयन, मॉनिटरिंग व्यवस्था एवं शिकायत निराकरण की चरणबद्ध प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पोर्टल एवं डैशबोर्ड संचालन, शिकायतों के वर्गीकरण, ट्रैकिंग एवं समयसीमा आधारित निराकरण की तकनीकी प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

टोल फ्री नंबर 1076 सहित कई माध्यमों से दर्ज होगी शिकायत

प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि प्रदेश का कोई भी नागरिक टोल फ्री नंबर 1076 पर कॉल कर, वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप अथवा लिखित आवेदन के माध्यम से अपनी शिकायत 247 दर्ज करा सकेगा। शिकायत दर्ज होते ही शिकायतकर्ता को एक यूनिक शिकायत क्रमांक प्रदान किया जाएगा, जिसके माध्यम से वह अपनी शिकायत की वतर्मान स्थिति, संबंधित विभाग एवं अधिकारी की जानकारी तथा समाधान की समयसीमा देख सकेगा। सीएम हेल्पलाइन सेंटर सप्ताह के सातों दिन एवं चौबीसों घंटे संचालित रहेगा, जिससे नागरिकों को किसी भी समय अपनी समस्या दर्ज कराने की सुविधा मिलेगी। शासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिक भी इस सुविधा का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें।

लंबित शिकायतों पर रहेगी मुख्यमंत्री कार्यालय की निगरानी

शिकायत दर्ज होने के पश्चात संबंधित विभाग एवं अधिकारी तक प्रकरण तत्काल ऑनलाइन माध्यम से पहुंच जाएगा। पूरी प्रक्रिया तकनीक आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम से जुड़ी होगी, जिससे प्रत्येक स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जा सकेगी तथा शिकायतों के अनावश्यक लंबित रहने की संभावना कम होगी। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि शिकायतों के निराकरण के बाद संबंधित नागरिक से फीडबैक लिया जाएगा। शिकायतकर्ता के संतुष्ट होने पर ही शिकायत का अंतिम निराकरण माना जाएगा। यदि शिकायतकर्ता असंतोष व्यक्त करता है, तो शिकायत स्वतः पुनः सक्रिय होकर आगे की कारर्वाई के लिए संबंधित स्तर पर भेज दी जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी मुख्यमंत्री कार्यालय एवं वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों द्वारा की जाएगी।

शासन और जनता के बीच मजबूत होगा संवाद एवं विश्वास

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मैदानी स्तर पर कार्यरत अधिकारियों को तकनीकी एवं प्रशासनिक रूप से सुदृढ़ बनाना, विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा शासन और जनता के बीच पारदर्शिता एवं विश्वास को बढ़ावा देना है। इस पहल से आम नागरिकों की समस्याओं का घर बैठे एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सकेगा। राज्य सरकार की यह नई व्यवस्था सुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं जनसुविधा को मजबूत करने की दिशा में एक

---

35 साल की सेवा पूर्ण के बाद संतोष साहू हुए सेवानिवृत्त, सहकर्मियों ने दी विदाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

ग्राम भोथीपार खुर्द नया पारा स्थित राजाराम मेझ प्रोडक्ट में कार्यरत संतोष साहू के सेवानिवृत्त होने पर सहकमिर्यों ने भावभीनी विदाई दी। ग्लूकोज विभाग में 35 वर्ष तक सेवा देने वाले संतोष साहू का सभी कर्मचारियों से अच्छा तालमेल रहा।

विदाई समारोह में कर्मचारियों ने संतोष साहू को श्रीफल, शाल और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के बाद उन्हें निज निवास आलीखुटा तक छोड़ा गया।

इस अवसर पर इंचार्ज पीलु साहू, विकास साहू, रूपेश साहू, राष्ट्रीय ग्लूकोज स्टार्च केमिकल मजदूर संघ के अध्यक्ष योगेन्द्र दास वैष्णव, फोरलेन पालक यादव, भागवत वर्मा, हीरा साहू, लीला राम पटेल, खेमचंद साहू, हीरा पवार, चेतन साहू, परदेशी साहू, गोपाल साहू, लोकचंद पटेल, हगरु यादव, बिसाबंर यादव सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

सूक्ष्म व लघु उद्यमियों के लिए बैंकर्स-इंवेस्टर मीट का आयोजन कल

एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की पहल

मोहला। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा एमएसएमई सेक्टर के उन्नयन एवं उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से रेजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस योजना संचालित की जा रही है। इसी कड़ी में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी द्वारा 29 मई 2026 को मानपुर में बैंकर्स-इंवेस्टर मीट का आयोजन किया जा रहा हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को वित्तीय संस्थानों एवं निवेशकों से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए उद्योगों के विकास को गति प्रदान करना है। कार्यक्रम में इच्छुक उद्यमी निर्धारित समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर योजना एवं निवेश संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक उद्यमी कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, मोहला से संपर्क कर सकते हैं।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा उपायों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सड़क दुर्घटना से मृत्यु दर में कमी लाने के लिए विशेष तौर पर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने दुर्घटना संभावित स्थलों में आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग एवं अन्य प्रमुख सड़कों पर दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में स्पीड ब्रेकर, साईन बोर्ड, रिफ्लेक्टर तथा हाईमास्ट लाईट लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आम नागरिकों की सहभागिता भी आवश्यक है। इसके लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाते हुए लोगों को यातायात नियमों के पालन के प्रति प्रेरित किया जाए।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग सहित जिले के अन्य प्रमुख मार्गो के सड़क किनारे नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों की नियमित जांच कर उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग से यातायात बाधित होता है और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है।

कलेक्टर ने विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक करने तथा हेलमेट नहीं पहनने वालों पर सख्ती से कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर चोटों और मृत्यु की संभावना को कम करने में हेलमेट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही सीट बेल्ट का उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, शराब पीकर वाहन चलाने से बचने और मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने के संबंध में भी आमजनों को जागरूक करने के निर्देश दिए।

उन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर नियमित चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने जिले मंट सड़क सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यो, सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति, ब्लैक स्पॉट चिन्हांकन, जागरूकता कार्यक्रमों तथा प्रवर्तन कार्रवाई की जानकारी दी। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, लोक निर्माण विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम देववाड़वी में सुशासन तिहार और जनजातीय गरिमा उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जनजातीय सशक्तिकरण तथा विकासखंड के सुदूर क्षेत्रों तक शासकीय योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के विकासखंड अंबागढ़ चौकी के ग्राम देववाड़वी में क्लस्टर स्तरीय सुशासन तिहार के साथ जनजातीय गरिमा उत्सव एवं जनभागीदारी अभियान का भव्य आयोजन किया गया।

इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज का सशक्तिकरण करना तथा शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से अंतिम व्यक्ति को जोड़ना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में जनजातीय सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। उत्सव के दौरान जनजातीय संस्कृति के संरक्षण एवं उनके आर्थिक और सामाजिक उत्थान पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ-साथ शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रगति कर ही समाज को मुख्यधारा में सशक्त रूप से स्थापित किया जा सकता है। इस क्लस्टर स्तरीय आयोजन में जिला एवं विकासखंड स्तर के प्रशासनिक अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पंच-सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत अधिकारियों एवं ग्रामीण जनप्रतिनिधियों द्वारा ट्रांसेक्ट वॉक के साथ की गई। इसके माध्यम से गांव की भौगोलिक स्थिति, उपलब्ध संसाधनों तथा बुनियादी आवश्यकताओं का जमीनी स्तर पर अवलोकन किया गया, ताकि भविष्य की विकास योजनाओं को बेहतर ढंग से तैयार किया जा सके। इसी प्रकार आधार एवं डिजिटल सेवा के अंतर्गत शिविर में ग्रामीणों की सुविधा के लिए विशेष आधार शिविर लगाया गया। इसमें नए आधार कार्ड

बनाना, त्रुटियों का सुधार तथा अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेटेशन का कार्य मौके पर ही किया गया, जिससे ग्रामीणों को ब्लॉक मुख्यालय के चक्कर लगाने से राहत मिली।

स्वास्थ्य जांच के साथ योजनाओं की दी गई जानकारी : स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा शिविर में आए ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान मौसमी बीमारियों की जांच, बीपी एवं शुगर टेस्ट के साथ आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया। साथ ही ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी गई। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा सूचनात्मक स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों के माध्यम से कृषि, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण तथा पंचायती राज विभाग की योजनाओं की जानकारी सीधे हितग्राहियों को प्रदान की गई।

जनजाति गरिमा उत्सव : शासकीय योजनाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करने जिला प्रशासन की विशेष पहल

भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों में निवासरत आदिवासी समुदायों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जनजातीय गरिमा उत्सव -जनभागीदारी अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

जिसके तहत आज विकासखंड मोहला अंतर्गत आमाडुला क्लस्टर अंतर्गत शिविर में ग्रामीणों को एक ही स्थान पर शासकीय विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। आयोजित अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए तथा आधार कार्ड अद्यतन करने की सुविधा भी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के आवेदन भी मौके पर स्वीकार किए गए, ताकि पात्र लोगों को शीघ्र लाभ मिल सके। अभियान का उद्देश्य आदिवासी अंचलों में रहने वाले लोगों को शासन की योजनाओं से सीधे जोड़ना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इसके माध्यम से प्रशासन द्वारा ह्लजनभागीदारी झ्र सबसे दूर, सबसे पहलेह्व की भावना के साथ अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की पहुंच बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

मंत्रिपरिषद की बैठक : स्क्रैप निस्तारण के लिए MSTC से अनुबंध 3 साल बढ़ा, ठेकेदारों को बिटुमिन मूल्य वृद्धि पर राहत

कर्मचारी चयन मंडल हुआ अब सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में सोमवार को महानदी भवन में हुई कैबिनेट बैठक में तीन बड़े फैसले लिए गए। इनमें स्क्रैप निस्तारण, कर्मचारी चयन मंडल और सड़क ठेकेदारों से जुड़े निर्णय शामिल हैं।

एमएसटीसी से अनुबंध 3 साल बढ़ा

कैबिनेट ने राज्य के विभागों, निगम-मंडलों और स्थानीय निकायों में जमा स्क्रैप व अनुपयोगी सामग्रियों के निस्तारण के लिए मेटल स्क्रैप ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ सेलिंग एजेंसी अनुबंध की अवधि 3 साल के लिए बढ़ा दी है। नवंबर 2019 से प्रभावी यह अनुबंध 31 मई 2026 को समाप्त हो रहा था। MSTC के ई-नीलामी प्लेटफॉर्म से देशभर के खरीदार बोली लगा सकेंगे, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और बेहतर मूल्य मिलेगा। इससे विभागों को अलग-अलग निविदा निकालने की जरूरत नहीं होगी।

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल को सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके लिए "छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम" में संशोधन होगा। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल अधिनियम 2026 लागू होने के बाद पूर्व के व्यापम का विलय नए मंडल में हो चुका है।

बिटुमिन मूल्य वृद्धि पर ठेकेदारों को राहत

1 अप्रैल 2026 के बाद बिटुमिन की कीमतों में असाधारण वृद्धि को देखते हुए कैबिनेट ने सड़क ठेकेदारों को 1 अप्रैल से 30 जून 2026 तक सीमित एवं आंशिक मूल्य राहत देने का निर्णय लिया है। यह राहत केवल बिटुमिन मूल्य वृद्धि के प्रभाव को कम करने के लिए निर्धारित फार्मूले के आधार पर दी जाएगी। वैश्विक परिस्थितियों से डामर के दाम बढ़ने पर सड़क कार्य प्रभावित होने की आशंका थी। भारत सरकार ने भी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए ऐसी ही राहत के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य सड़क निर्माण की गति बनाए रखना है।

मुख्यमंत्री साय से केंद्रीय कोयला व खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने की मुलाकात

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मंत्रालय महानदी भवन स्थित उनके कार्यालय में केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा, खनिज क्षेत्र के विस्तार तथा आधारभूत संरचना विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत और सकारात्मक चर्चा हुई।

बैठक में छत्तीसगढ़ में कोयला उत्पादन बढ़ाने, खनन क्षेत्रों में बुनियादी अधोसंरचना को सुदृढ़ करने, रेल एवं लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी के विस्तार तथा औद्योगिक गतिविधियों को और गति देने के विषय पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन, कोयला गैसीकरण, सौर ऊर्जा विकास तथा खनिज संसाधनों के बेहतर उपयोग के माध्यम से निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर भी विशेष चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है और केंद्र सरकार के सहयोग से ऊर्जा, खनन एवं औद्योगिक विकास के क्षेत्र में राज्य नई संभावनाओं की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेश अनुकूल वातावरण तैयार करते हुए युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के प्रबंध संचालक रजत बंसल, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एनएच-30 पर वाहन चेकिंग पर कार्रवाई कार से 65 लाख रुपये नकद किया बरामद

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

जिले में नेशनल हाईवे-30 पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जांच अभियान के दौरान एक संदिग्ध कार से 65 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। नकदी से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने पूरी राशि जब्त कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों से जानकारी के अनुसार पुरुर थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक कार के माध्यम से बड़ी मात्रा में नकदी ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एनएच-30 पर सघन वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान एक संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें बड़ी रकम बरामद हुई।

पुलिस पूछताछ में कार सवार व्यक्ति ने अपना नाम अमित जैन बताया। उसने कहा कि वह यह राशि केशकाल से बालोद लेकर जा रहा था। हालांकि, रकम के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज, बैंक रसीद या स्रोत से जुड़े प्रमाण मौके पर प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके बाद पुलिस ने नियमानुसार पूरी नकदी को जब्त कर लिया और आगे की जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बैंक कर्मचारियों की मदद से मशीन के जरिए नोटों की गिनती कराई गई। इस दौरान गुरुर तहसीलदार हनुमंत स्याम भी मौके पर मौजूद रहे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इतनी बड़ी नकदी के परिवहन को लेकर आयकर विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों को भी सूचित किया गया है। अब यह जांच की जा रही है कि यह राशि किस उद्देश्य से और किस स्रोत से लाई जा रही थी। पुलिस ने बताया कि जब तक वैध दस्तावेज और संतोषजनक जवाब नहीं मिलते, तब तक राशि को नियमों के तहत सुरक्षित रखा जाएगा। मामले में आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है और पुलिस की सतर्कता को लेकर भी स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

विधायक पुरंदर मिश्रा से ठगी, खुद को बड़े नेता का पीए बताकर ऐंठे 10 हजार रुपए

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर में साइबर ठगों ने अब जनप्रतिनिधियों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा से खुद को पार्टी के बड़े नेता का निजी सहायक बताकर 10 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। घटना खम्हारडीह थाना क्षेत्र की है, जहां शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने फोन कर खुद को भाजपा के वरिष्ठ नेता का पीए बताया और रास्ते में परेशानी में फंसने की बात कही। उसने डीजल भरवाने और यात्रा जारी रखने के लिए तत्काल पैसों की जरूरत बताकर मदद मांगी। बातचीत के दौरान उसने भरोसा जीतने के लिए सोशल मीडिया प्रोफाइल पर कई भाजपा नेताओं के साथ तस्वीरें भी लगा रखी थीं।

बताया गया कि विधायक पुरंदर मिश्रा ने स्थिति को सही मानते हुए जगन्नाथ मंदिर के सेवक नारायण मिश्रा के माध्यम से आरोपी के खाते में 10 हजार रुपए ट्रांसफर करवा दिए। कुछ समय बाद आरोपी ने दोबारा पैसों की मांग की, जिसके बाद विधायक को शक हुआ।

पुरंदर मिश्रा ने संबंधित नेता के कार्यालय में संपर्क कर जानकारी ली तो पता चला कि उस नाम का कोई व्यक्ति वहां कार्यरत ही नहीं है। इसके बाद ठगी का खुलासा हुआ और खम्हारडीह थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। पुलिस मोबाइल नंबर और बैंक खाते के आधार पर जांच कर रही है। विधायक ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान नंबर से आने वाले कॉल पर तुरंत भरोसा न करें। खासकर पैसों की मांग होने पर पहले संबंधित व्यक्ति से सीधे पुष्टि जरूर करें।

फेक मैरिज पार्टी को लेकर हंगामा, रिसॉर्ट को सील करने की तैयारी

रिसार्ट मैनेजर ब्रह्मदत्त पांडेय के विरुद्ध धारा 170 के तहत की कार्रवाई, न्यायालय के समक्ष किया प्रस्तुत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

हिंदू विवाह संस्कार, सनातन धर्म के सोलह संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण संस्कार है। यह केवल दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बीच अटूट, जन्म-जन्मांतर का पवित्र बंधन है। लेकिन दुर्ग जिले के एक रेस्टोरेंट संचालक द्वारा इस संस्कार पर प्रहार करते हुऐ फेक मैरिज पार्टी का आयोजन करने की तैयारी की जा रही थी।

जैसी ही इस आयोजन की जानकारी आसपास के ग्रामीणों और हिंदूवादी संगठन के लोगो को हुई। तो वे इस पूरे मामले को लेकर

एतराज करने पहुंचे। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में कोसी रिसार्ट के मैनेजर के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धारा के तहत कार्रवाई कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। दुर्ग में फेक मैरिज पार्टी के आयोजन को लेकर हिंदूवादी युवा मंच के लोगों ने हिंदू धार्मिक भावना आहत होने के विरोध में मंगलवार को जेवरा सिरसा पुलिस चौकी पहुंचकर जमकर प्रदर्शन किया और फेक मैरिज कार्यक्रम पर पूर्णतः प्रतिबंध किए जाने की मांग कर ज्ञापन सौंपा।

हिंदू युवा मंच के भिलाई नगर का संयोजक अमिताभ वर्मा ने बताया कि करंजा भिलाई स्थित कोसी रिसार्ट में 30 मई को फेक मैरिज पार्टी का आयोजन होने वाला था। जिसके संबंध में इंटरनेट मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली। जानकारी मिलते ही विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम हिंदू संस्कार के ऊपर कड़ा प्रहार है और हिंदुओं के धार्मिक भावनाओं को आहत करने जैसा है। वहीं इस मामले को लेकर जेवरा सिरसा पुलिस चौकी ने कोसी रिसार्ट के मैनेजर ब्रह्मदत्त पांडेय के विरुद्ध बीएनएस की धारा 170 के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100